राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार 25 अप्रैल 2024 वर्ष–7,अंक–91 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दूसरे चरण का चुनाव प्रचार समाप्त

राहुल गांधी, हेमा मालिनी मैदान में

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में देशभर की 88 सीटों पर 26 अप्रैल को वोट डाले जाने हैं। इन सभी सीटों के लिए चुनाव प्रचार बुधवार शाम समाप्त हो गया। दूसरे चरण की महत्वपूर्ण सीटों में केरल की वायनाड, बिहार की किशनगंज, कटिहार, पूर्णिया, भागलपुर, बांका, छत्तीसगढ़ की राजनांदगांव, महासमुंद और कांकेर, जम्मू, और कर्नाटक से मैसूर व बेंगलुरु शामिल हैं। लोकसभा चुनाव के लिए पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल को हो चुका है। अब दूसरे चरण के चुनाव में जो उम्मीदवार अपना भाग्य आजमा रहे हैं उनमें राहुल गांधी, अरुण गोविल, हेमा मालिनी, शशि थरूर, केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर शामिल हैं। केरल के वायनाड से पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी उम्मीदवार हैं। वहीं उत्तर प्रदेश के मथुरा से हेमा मालिनी भाजपा की प्रत्याशी हैं। रामायण सीरियल में राम का किरदार निभाने वाले अरुण गोविल मेरठ से भाजपा उम्मीदवार हैं। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर तिरुवनंतपुरम से चुनाव लड़ रहे है। यहां उनका मुकाबला कांग्रेस नेता शशि थरूर से है। जम्मू लोकसभा सीट पर भाजपा के जुगल किशोर व कांग्रेस के रमन भल्ला हैं। दूसरे चरण की 88 लोकसभा सीटों पर कुल 1206 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। केरल की सभी 20 लोकसभा सीटों पर इसी चरण में मतदान होना है। इसके अलावा 26 अप्रैल को ही कर्नाटक की 14 व राजस्थान की 13 लोकसभा सीटों पर मतदान होगा। 12 राज्यों और केंद्र शासित राज्यों की 88 लोकसभा सीटों में केरल में लगभग 500 प्रत्याशियों ने चुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल किया है। नाम वापसी के उपरांत यहां 20 सीटों पर 194 प्रत्याशी शेष रह गए हैं।

वहीं कर्नाटक में 491 लोगों ने नामांकन दाखिल किया था। बुधवार की शाम चुनाव प्रचार थमने के उपरांत अब इन चुनाव क्षेत्र में कोई सार्वजनिक सभा नहीं होगी। हालांकि यहां प्रत्याशी और उनके स्टार प्रचारक घर-घर जाकर वोट मांग सकेंगे। दूसरे चरण में उत्तर प्रदेश की 8 सीटों पर मतदान होना है। यहां सबसे ज्यादा उम्मीदवार गौतमबुद्धनगर और मथुरा सीट पर हैं। इस चरण में प्रदेश की गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, अमरोहा, मेरठ, बागपत, बुलंदशहर, अलीगढ़ और मथुरा सीट के लिए मतदान होगा।

दिल्ली से सटे गाजियाबाद की बात की जाए तो यहां कुल 29,38,845 मतदाताओं के लिए 841 मतदान केन्द्र, जिनमें से संवेदनशील 439 व 71 वल्नरेबल हैं। इनकी निगरानी कुल 27 जोनल मजिस्ट्रेट व 194 सेक्टर मजिस्ट्रेट करेंगे। इससे पहले लोकसभा चुनाव 2019 में जनपद में कुल 691 मतदान केन्द्र के 3048 मतदेय स्थलों पर कुल 2603411 मतदाता पंजीकृत थे। वहीं इस बार मतदान प्रतिशत को बढ़ाने के लिए नोएडा की हाई राइज सोसाइटी में 52 और ग्रेटर नोएडा की हाईराइज सोसायटी में 48 बूथ बनाए जा रहे हैं।

पहला कॉलम

एनडीए के समर्थन में वोट करने नीतीश ने बिहारवासियों को लिखा पत्र

पटना । जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के नेता और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार की सेवा को ही अपना धर्म और पूरे बिहार को अपना परिवार बताया है। नीतिश ने वर्ष 2005 से पहले लालू-राबड़ी राज में प्रदेश की बदहाली को याद दिलाकर राज्य की जनता से चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) प्रत्याशी को वोट देने की अपील की है। मुख्यमंत्री कुमार ने दूसरे चरण के चुनाव प्रचार की समाप्ति से पहले बिहारवासियों को पत्र लिखकर याद दिलाई कि 2005 से पहले की सरकार ने बिहार को किस हाल में पहुंचा दिया था। उन्होंने कहा कि बिहार का खजाना खाली था। सड़क, बिजली, स्कूल, अस्पताल जैसी बुनियादी सुविधाओं पर कोई बात करने वाला नहीं था। घोटाले, अपराध, अपहरण, हत्या, डकैती, नरसंहार, माफिया राज इत्यादि बिहार की पहचान बन गई थी। उद्योग-धंधे बंद हो गए थे। अपराधियों के डर से व्यापारी कारोबारी बिहार से पलायन कर गए थे। चिकित्सकों तक का फिरौती के लिए अपहरण हो जाया करता था। नीतीश ने अपने पत्र में बिहारवासियों को संबोधित कर लिखा कि यह कहना ठीक नहीं होगा कि बिहार में व्यवस्था चौपट हो चुकी थी, सच यह है कि उस समय बिहार में कोई व्यवस्था ही नहीं थी। बिहारवासियों को देश-दुनिया में अपमान झेलना पड़ता था। लेकिन, वर्ष 2005 में घना अंधेरा छंटा, उम्मीदों का नया सूरज उगा। बिहार की देवतुल्य जनता ने एनडीए की सरकार को मौका दिया और हमने बिहार को अराजकता और अव्यवस्था से बाहर निकालकर, बिहार को विकास की राह पर ले जाने का संकल्प लिया।

लोगों को करोड़पति बनाने आ रहे बिग बी, केबीसी का 26 अप्रैल से शुरु होगा रजिस्ट्रेशन

मुंबई । सोनी टीवी का रिएलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति लंबे समय से दर्शकों का मनोरजंन कर रहा है। इस शो को हर उम्र के लोग देखना पसंद करते हैं। अब तक केबीसी से 15 सीजन आ चुके हैं। वहीं हर साल की तरह इस बार दर्शकों के इसके अगले सीजन का इंतजार है, जो जल्द ही आना वाला है। वहीं अब बिग बी ने शो के सेट से अपनी तस्वीरें शेयर की हैं। मेकर्स ने वीडियो शेयर कर हाल ही में केबीसी 16 का ऐलान किया था। इसके साथ ही बताया गया था कि शो के लिए 26 अप्रैल को रजिस्ट्रेशन शुरू होगा। इस खबर से शो के फैंस भी काफी एक्साइटेड हो गए थे। इस बीच बिग बी ने सेट से कुछ तस्वीरें शेयर फैंस की एक्साइटमेंट को और बढ़ा दिया है। बिग बी ने अपने ब्लॉग पहली तस्वीर में बिग बी कैजुअल आउटफिट पहने अपनी कार से उतरते नजर आ रहे हैं। इस दौरान बिग बी काफी कूल लग रहे हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए बिग बी ने लिखा है, निकले थे काम पर अपनी गाड़ी से, रूप स्वरूप हुआ लोगों की जिम्मेदारी से। खेल होने जा रहा है नए सीजन का, स्नेह, प्यार बना रहे अपने परिवार का। बिग बी ने बताया है कि उनका नॉन स्टॉप शेड्यूल 9 बजे से शुरू होता है और बिना ब्रेक के 5 बजे तक काम चलता है। इसके बाद वहां दोपहर का खाना खाते है।

सिसोदिया को झटका, 7 मई तक जेल में रहना होगा

राउज एवेन्यू कोर्ट ने सीबीआई से मांगा जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली शराब नीति से जुड़े सीबीआई के मामले में फिलहाल चार्ज फ्रेम नहीं करने की मांग को लेकर याचिका पर बुधवार को राउज एवेन्यू कोर्ट ने केंद्रीय जांच एजेंसी से जवाब मांगा है। वहीं कोर्ट ने मामले में मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 7 मई तक बढ़ा दी है। आरोपियों के वकील ने सुनवाई के दौरान कहा कि हमें कोर्ट रूम से वॉक आउट नहीं करना था। हम इसके लिए माफी मांगते हैं। जज ने नाराजगी जताकर कहा कि हमने पहली बार इस तरह का बर्ताव देखा है। आप दलील पूरी होते ही कोर्ट के बाहर चले गए। इस दौरान याचिकाकर्ता ने दलील दी कि जांच अब तक चल रही है। वहीं सीबीआई ने दलील का विरोध किया। याचिकाकर्ता के वकील ने कोर्ट में सुनवाई के दौरान कहा कि मामले की सुनवाई के दौरान आईओ ने कहा था कि जांच तीन चार महीने में पूरी हो जाएगी, लेकिन अभी तक मामले में जांच चल रही है। उन्होंने कहा कि कोर्ट के आदेश के बाद मामले में गिरफ्तारी हुई और 164 का बयान भी रिकॉर्ड किया गया। वहीं सीबीआई ने याचिका का विरोध कर कहा कि जितनी चार्जशीट दाखिल हुई है, उसी पर हम बहस करने को तैयार है। कोर्ट ने दलील सुनने के बाद कहा कि अभी तक हम याचिका की कॉपी नहीं मिली है। मामले की अगली सुनवाई 7 मई को होगी।

हम भारत में एकता और विकास सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध

- केरल में जनसभा को संबोधित करने पहुंचे गृहमंत्री अमित शाह

केरल। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान के लिए प्रचार करने केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा नेता अमित शाह केरल पहुंचे यहां की सभी सीटों पर 26 अप्रैल को मतदान होना है। उन्होंने केरल के अलपुझा में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आपका उत्साह बताता है कि आपने बीजेपी को जिताने की ठान ली है! शाह ने कहा कि बीजेपी उम्मीदवार को आपका वोट मोदीजी को फिर से भारत का प्रधानमंत्री बनाना तय करेगा। हाल के सर्वेक्षणों ने साफ कर दिया है कि पूरा केरल बीजेपी के साथ, मोदी जी के साथ आगे बढ़ने के लिए तैयार है।शाह ने कहा कि मोदी जी को वोट देने का मतलब है विकास के लिए वोट करना, समृद्धि के लिए वोट करना और केरल के हर कोने में संस्कृति और विरासत को संरक्षित करने के लिए वोट करना। केरल के सभी मछुआरे और किसान मोदी जी से प्यार करते हैं और उनका समर्थन करते हैं। उन्होंने दावा किया कि कम्युनिस्ट दुनिया और देश में अस्तित्व खो रहे हैं। देश में अस्तित्व खोती जा रही है कांग्रेस...। अब आने वाला समय सिर्फ बीजेपी का है! शाह ने कहा कि हम भारत में एकता और विकास सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आपको विभाजनकारी ताकतों, भ्रष्ट कांग्रेस और कम्युनिस्टों को समझना चाहिए...बीजेपी को वोट देकर शांति और स्थिरता को चुनें।

गृह मंत्री शाह ने कहा कि यह चुनाव भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने, 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने, भारत को कृषि, विनिर्माण और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दुनिया में नंबर-1 बनाने का चुनाव है। उन्होंने दावा किया कि केरल में कांग्रेस और कम्युनिस्टों ने आतंकवादियों को पनाह दी है। अल्पसंख्यक वोट-बैंक हासिल करने के उनके स्वार्थ ने उन्हें पीएफआई का समर्थन करने के लिए मजबूर कर दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को एसडीपीआई का समर्थन प्राप्त है।

मणिपुर-नागालैंड से जोड़ने वाला पुल उड़ाया, आसपास के इलाके सील

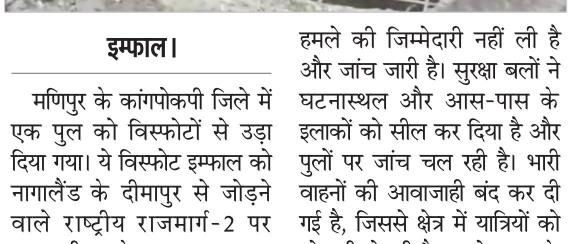

इम्फाल। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में एक पुल को विस्फोटों से उड़ा दिया गया। ये विस्फोट इम्फाल को नागालैंड के दीमापुर से जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-2 पर सापरमीना के पास हुए। यह लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान से दो दिन पहले आता है, जो बाहरी मणिपुर के कुछ हिस्सों में होगा।

एक रिपोर्ट के अनुसार लगभग 1:15 बजे कांगपोकपी जिले में सपोरमीना के पास यह घटना घटी। अधिकारी ने बताया कि अभी तक किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है और जांच जारी है। सुरक्षा बलों ने घटनास्थल और आस-पास के इलाकों को सील कर दिया है और पुलों पर जांच चल रही है। भारी वाहनों की आवाजाही बंद कर दी गई है, जिससे क्षेत्र में यात्रियों को परेशानी हो रही है। पहले चरण के मतदान के दौरान, मणिपुर के कुछ हिस्सों में हिंसा की घटनाएं हुइ थी।

उपद्रवियों ने राज्य के एक मतदान केंद्र पर गोलीबारी की, जिससे दहशत और अशांति फैल गई। कुछ हिस्सों में ईवीएम को नष्ट कर दिया और डराने-धमकाने के आरोप भी लगाए गए।

सीएए को लेकर अमेरिका फैला रहा भ्रम

-भारतीय मुस्लमान को भड़काने की कर रहा कोशिश

नई दिल्ली। देश की मोदी सरकार ने इस साल नागरिकता संसोधन विधेयक (सीएए) लागू किया जिसको लेकर पहले भी विरोध हुए है। वहीं सीएए को लेकर अमेरिका भारत के मुसलमानों को भड़काने का प्रयास कर रहा है। इसको लेकर भारत पहले भी अपना विरोध दर्ज करवा चुका है। भारत ने कहा था कि यह हमारा आंतरिक मामला है।

अमेरिका के एक ताजा रिपोर्ट में भारत में लागू हुए सीएए को लेकर झूठ परोसा गया है। काँग्रेशनल सर्विस रिपोर्ट (सीआरसी) के मुताबिक सीएए के कुछ प्रावधान भारतीय संविधान का उल्लंघन करते हैं। रिपोर्ट में ये भी चिंता जताई गई है कि एनआरसी के साथ साथ सीएए भारत की मुस्लिम आबादी के अधिकार को खतरे में डाल सकते हैं और सीएए का विरोध करने वाले लोग बीजेपी से डरे हुए हैं। जो हिन्दू बहुसंख्यकवादी, मुस्लिम विरोधी एजेंडे को आगे बढ़ा रही है। जो

आधिकारिक तौर पर धर्मनिरपेक्ष गणराज्य के रूप में भारत की स्थिति को खतरे में डालती है और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मानदंडों का उल्लंघन करती है। अमेरिकी रिपोर्ट में सीएए को लागू करने की टाइमिंग पर भी सवाल उठाए गए हैं। इसे देश में चल रहे लोकसभा चुनाव से जोड़ा गया है। इसे राजनीति से प्रेरित बताया गया।

बता दे कि अमेरिका की बाइडेन सरकार सीएए पर बारीकी से नजर करने का नाटक करती नजर आई है। अमेरिका के इस प्रोपगेंडा को भारतीय मुसलमान बेपर्दा कर रहे हैं। भारतीय मुसलमान जानते हैं कि वह पूरी तरह से भारतीय हैं और देश के विकास में जिम्मेदार होने के साथ-साथ भागीदार भी है। इससे पहले अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा था कि हम 11 मार्च को जारी की गई भारत में सीएए की अधिसूचना को लेकर चिंतित हैं। मिलर ने एक सवाल के जवाब में कहा था कि हम इस बात पर लगातार नजर रख रहे हैं कि इस अधिनियम को भारत में कैसे लागू किया जाएगा।

- राहुल गांधी वित्तीय सर्वेक्षण और संस्थागत सर्वेक्षण करना चाहते हैं

तमिलनाडु बीजेपी अध्यक्ष का दावा: वायनाड में बीजेपी ही जीतेगी

केरल। केरल के वायनाड से कांग्रेस नेता राहुल गांधी उस सीट से फिर से चुनावी मैदान में हैं। इस बार उन्होंने बीजेपी और वाम दलों से कड़ी टक्कर मिल रही है। बीजेपी ने वायनाड में पूरी ताकत झोंक दी है। इनके बीच तमिलनाडु बीजेपी अध्यक्ष के अन्नामलाई ने दावा किया कि बीजेपी वायनाड सीट जी रही है।

वायनाड में रोड शो के दौरान उन्होंने कहा कि के सुरेंद्रन जीतेंगे। वह यहां राहुल गांधी को हराने के लिए नहीं हैं, वह यहां लोगों की सेवा करने के लिए हैं।

उन्होंने लोगों से सवाल किया कि क्या राहुल गांधी यह बताने के लिए श्वेत पत्र दे सकते हैं कि उन्होंने पिछले पांच वर्षों में वायनाड के लिए क्या किया है? अब वह सिर्फ चुनाव के लिए आये हैं। वायनाड के लोग एक ऐसा धरती पुत्र चाहते हैं जो बागान श्रमिकों के साथ खड़ा हो सके और यहां जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए केंद्र सरकार की योजनाओं को लागू कर सके। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हर रोज अपने आर्थिक मॉडल को कोई न कोई आकार देती है। राहुल गांधी संसाधनों के पुनर्वितरण की बात करते हैं, वह एक वित्तीय सर्वेक्षण और एक संस्थागत सर्वेक्षण करना चाहते हैं।

सैम पित्रोदा के बयान को लेकर अन्नामलाई ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सैम पित्रोदा ने एक कदम आगे बढ़कर क हा है कि संपत्ति का 55त्न हिस्सा सरकार विरासत कर के रूप में लेगी। यहां तक कि अमेरिका में भी यह 6-7 राज्यों में है। इससे साफ हो जाता है कि कांग्रेस की मानसिकता क्या है। वे जिस आर्थिक मॉडल की बात कर रहे हैं उसका स्वरूप सामने आ रहा है, और सैम पित्रोदा ने स्थिति साफ कर दी है। लोगों को अपने घरों में वित्तीय सर्वेक्षण क्यों होने देना चाहिए। क्या कांग्रेस साफ कर सकती है कि राहुल गांधी ने क्या कहा? ...मंगलसूत्र हर परिवार की संपत्ति है और पीएम नरेंद्र मोदी ने वही बात की जो राहुल गांधी और सैम पित्रोदा ने कही थी।

हम चुनावों को नियंत्रित नहीं कर सकते.......

सुप्रीम कोर्ट ने वीवीपैट पर फैसला सुरक्षित रखा

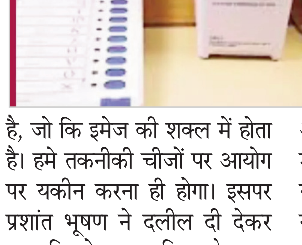

नई दिल्ली । लोकसभा चुनाव के बीच सुप्रीम कोर्ट ने वीवीपैट को लेकर बुधवार को हुई सुनवाई के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि हम संदेह के आधार पर आदेश जारी नहीं कर सकते हैं। सुनवाई ने दौरान जज ने कहा कि अदालत चुनाव की नियंत्रण अथॉरिटी नहीं है। बता दें कि अदालत ने ईवीएम के मुद्दे पर दो दखल दिया है। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि हमारे कुछ सवाल थे। जिनके जवाब आयोग के द्वारा दे दिए गए हैं। अभी हम फैसला सुरक्षित रख रहे है। सुप्रीम कोर्ट ने वीवीपैट को लेकर कहा कि अभी तक गड़बड़ी की एक भी रिपोर्ट सामने नहीं आई है। हम साथ में ये भी देख रहे हैं कि क्या ज्यादा वीवीपैट के मिलान का आदेश दिया जा सकता है। सुनवाई के दौरान जस्टिस दीपांकर दत्ता ने प्रशांत भूषण से कहा कि क्या हम संदेह के आधार पर कोई आदेश जारी कर सकते हैं? जिस रिपोर्ट पर आप भरोसा कर रहे हैं, उसमें कहा गया है कि अभी तक हैकिंग की कोई घटना नहीं हुई है। हम किसी दूसरे संवैधानिक अथॉरिटी को नियंत्रित नहीं करते है। हम चुनावों को नियंत्रित नहीं कर सकते। सुप्रीम कोर्ट के फैसले में वीवीपैट की बात कही गई थी और उसका पालन किया गया लेकिन इसमें कहां कहा गया है कि सभी पर्चियों का मिलान करें। इसमें 5 प्रतिशत लिखा है, अब देखते हैं कि क्या इन 5 प्रतिशत के अलावा कोई उम्मीदवार कहता है कि दुरुपयोग के मामले आए हैं। सुनवाई के दौरान जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा कि इसलिए हमने चुनाव आयोग से भी यही सवाल पूछा था। आयोग का कहना है कि फ्लैश मैमोरी में कोई दूसरा प्रोग्राम फीड नहीं किया जा सकता। उनका कहना है कि वे फ्लैश मेमोरी में कोई प्रोगाम अपलोड नहीं करते, बल्कि चुनाव चिन्ह अपलोड करते है, जो कि इमेज की शक्ल में होता है। हमे तकनीकी चीजों पर आयोग पर यकीन करना ही होगा। इसपर प्रशांत भूषण ने दलील दी देकर कहा कि वे चुनाव चिन्ह के साथ साथ कोई गलत प्रोगाम, तब अपलोड कर सकते हैं। मेरा अंदेशा उस बात को लेकर है। फिर कोर्ट ने कहा कि हम आपकी दलील को समझ गए।

हम अपने फैसले में इसका ध्यान रखने वाले है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

मसालों पर सवाल

भारतीय मसाला कंपनियों पर फिर सवाल का उठना दुखद और चिंताजनक है। सिंगापुर और हांगकांग में कुछ भारतीय मसालों को प्रतिबंधित किया गया है, जिससे भारत में हलचल तेज हो गई है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा मसाला उत्पादक, उपभोक्ता व निर्यातक है और भारतीय मसालों पर किसी तरह की आपत्ति से साख पर असर पड़ सकता है। अत- भारत सरकार ने उचित ही सक्रियता दिखाते हुए सिंगापुर और हांगकांग के खाद्य सुरक्षा नियामकों से विवरण मांगा है। वाणिज्य मंत्रालय ने इन दोनों देशों में स्थित भारतीय दूतावासों को इस मामले पर विस्तृत रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया है। सरकार अपने स्तर पर भी जांच कर रही है और निशाने पर आई भारतीय कंपनियों से भी पूरा विवरण मांगा गया है। इन देशों से मसालों को लेकर पहले से शिकायतें आ रही थीं, पर नौबत यहां तक कैसे पहुंची कि प्रतिबंध लगाने की जरूरत पड़ गई? खाद्य उत्पाद के मामले में कंपनियां अक्सर अपने स्तर पर भी शिकायतों का निपटारा करती रही हैं और इन मसाला कंपनियों ने ऐसी क्या लापरवाही बरती कि प्रतिबंध लग गया? शुरुआती शिकायतों या चर्चा से पता चलता है कि सवालों के घेरे में आए उत्पादों में कथित तौर पर स्वीकार्य सीमा से अधिक कीटनाशक एथिलीन ऑक्साइड होने के चलते प्रतिबंध लगाया गया है। क्या मसालों की फसल में कीटनाशकों का उपयोग बढ़ गया है? क्या इन कंपनियों ने ज्यादा उत्पादन या मुनाफा लेने के लिए गुणवत्ता से समझौता कर रखा है? जाहिर है, कंपनियों के पास ज्यादा जानकारी होगी, अत- इनको अपना जवाब जरूर दाखिल करना चाहिए और वह जवाब सार्वजनिक भी होना चाहिए, ताकि तमाम मसाला उत्पादक आगे से सावधानी बरत सकें। ज्यादा आधिकारिक जानकारी सिंगापुर और हांगकांग से मिलेगी। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसी भी भारतीय कंपनी या उसके उत्पाद को अनावश्यक रूप से निशाने पर न लिया जाए। यह देखा जा रहा है कि दुनिया में जैसे-जैसे भारतीय उत्पादों की मांग बढ़ रही है, वैसे-वैसे उनके प्रति शिकायतों में भी इजाफा हो रहा है। ध्यान रहे, जब दुनिया भारत को दवा उत्पादक देश के रूप में जानने लगी, तब कई दवाओं पर कुछ देशों में उंगली उठाई गई। यह स्वाभाविक भी है कि भारतीय उत्पादों को अपना पांव जमाए रखने के लिए अतिरिक्त मेहनत करने की जरूरत पड़ेगी। हमें गौर करना चाहिए, चीनी उत्पादों की गुणवत्ता आम तौर पर कमतर मानी जाती है, पर चीन दुनिया को सर्वाधिक चीजें बनाकर देता है। मतलब, शिकायतें हरेक व्यवसाय का एक पहलू हैं, उनका समाधान करते हुए अपनी उपयोगिता को बनाए रखना होगा। यह समय उदास या हताश होने का नहीं है, बल्कि अपनी कमियों से सीखकर आगे बढ़ने का समय है। सवाल है, क्या मसालों को एथिलीन ऑक्साइड या अन्य हानिकारक रसायनों से बचाया जा सकता है? कृषि के अनेक उत्पादों में अनावश्यक तत्व पाए जा रहे हैं। स्वयं कंपनियां ही उर्वरकों और कीटनाशकों के प्रयोग को बढ़ावा दे रही हैं। अत- अब समय आ गया है, जब भारत में बिक रहे तमाम उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। किसी चीज के अभाव या व्यवसाय के नाम पर गुणवत्ता में ढील नहीं होनी चाहिए। मिलावट को भी कतई मंजूर नहीं करना चाहिए। खाद्य पदार्थों के आवश्यक मानकों का पुनर्निर्धारण अब और जरूरी हो गया है, ताकि भारत एक ज्यादा विश्वसनीय उत्पादक देश के रूप में अपनी पहचान कायम रखे।

आज का राशिफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। वाणी की सौम्यता बनाये रखने की आवश्यकता है।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला आर्थिक योजना को बल मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ होने के योग हैं।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपको लाभ दिलायेगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। खान-पान में संयम रखें। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिलेगी। नेत्र विकार की संभावना है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

एआई के प्रसार से बढ़ा जैविक हथियारों का खतरा

मुकुल व्यास

दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का जोर बढ़ रहा है। कृत्रिम बुद्धि विभिन्न क्षेत्रों में अपनी जड़ें फैला रही है। हालांकि स्वास्थ्य, विज्ञान और चिकित्सा के क्षेत्र में इसके नवीनतम प्रवेश ने उत्साह के साथ-साथ कुछ चिंता पैदा भी की है। क्या एआई द्वारा डिजाइन किए गए प्रोटीन किसी दिन जैविक हथियारों की तरह खतरा पैदा कर सकते हैं? यह उन शोधकर्ताओं के मन में सवाल है जो अब प्रोटीन डिजाइन प्रौद्योगिकी के नैतिक उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा उपायों की वकालत कर रहे हैं। पूरी तरह से नए प्रोटीन का मंथन करने में सक्षम एआई टूल किसी साइंस फिक्शन फिल्म की तरह लगते हैं, लेकिन यह आज एक वास्तविकता है। वाशिंगटन विश्वविद्यालय के डेविड बेकर सहित कई वैज्ञानिक विशिष्ट कार्यों के लिए प्रोटीन डिजाइन करने के लिए एआई टूल का उपयोग कर रहे हैं। एआई के प्रोटीन डिजाइन का उपयोग रोग प्रतिरोधक क्षमता उत्पन्न करने से लेकर दवाओं की लक्षित डिलीवरी के लिए किया जा रहा है। इसके उपयोग की संभावनाएं अनंत हैं। हालांकि, संभावित खतरे भी बहुत चिंताजनक हैं। इन चिंताओं को दूर करने के लिए बेकर और अन्य शोधकर्ताओं ने प्रोटीन डिजाइन में एआई के जिम्मेदार उपयोग को बढ़ावा देने के लिए एक पहल शुरू की है। उनका लक्ष्य सरल है। वे इस शक्तिशाली टूल को गलत हाथों में पड़ने या गलत तरीके से दुरुपयोग होने से रोकना चाहते हैं। बेकर का ग्रुप अपने प्रयास में अकेला नहीं है। दुनियाभर के विशेषज्ञ यह सुनिश्चित करने के लिए एकजुट हो रहे हैं कि जैव प्रौद्योगिकी में एआई के उपयोग के साथ समुचित सुरक्षा उपाय होने चाहिए। इस तरह के स्वैच्छिक दिशानिर्देश सही दिशा में स्वागतयोग्य कदम हैं। हालांकि, कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि एआई का दुरुपयोग रोकने के लिए अधिक ठोस उपायों की आवश्यकता है। अमेरिका की जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी के वैश्विक स्वास्थ्य नीति विशेषज्ञ मार्क डायबुल ने इन स्वैच्छिक प्रयासों के साथ-साथ सरकारी हस्तक्षेप के महत्व पर भी जोर दिया है। उनका कहना है कि जब सार्वजनिक सुरक्षा के मामलों की बात आती है, तो अनुपालन और जवाबदेही को सुनिश्चित करने के लिए एक नियामक ढांचा आवश्यक हो जाता है। हमें सरकारी कार्रवाई और नियमों की ज़रूरत है। केवल स्वैच्छिक मार्गदर्शन से काम नही चलेगा। जैविक युद्ध में एआई के संभावित खतरों की तरफ इशारा करने वाली हालिया रिपोर्टों से भी इस मुद्दे पर तत्काल विचार करना जरूरी हो गया है। अल्फाफोल्ड जैसे एआई प्रोग्राम के साथ प्रोटीन संरचना की भविष्यवाणी करना आसान हो गया है। चिंता की बात यह है कि ये प्रौद्योगिकियां अनजाने में खतरनाक रोगजनकों या विषाक्त पदार्थों के निर्माण की सुविधा प्रदान कर सकती हैं। एआई से डिजाइन किए गए प्रोटीन के संभावित लाभ बहुत अधिक हैं। अगर वे गलत हाथों में पड़ जाएं तो जोखिम भी बहुत हैं। यही कारण है कि बेकर और उनके सहयोगियों की पहल सक्रिय उपायों पर जोर देती है। लेकिन बेकर का कहना है कि एआई क्षेत्र के विनियमन के लिए सरकारी कानून बहुत कड़े नहीं होने चाहिए। कड़े नियम उन दवाओं, टीकों और सामग्रियों के विकास को सीमित कर सकते हैं जो एआई द्वारा डिजाइन किए गए प्रोटीन से उत्पन्न हो सकती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि एआई-जनित खतरों से बचाव के लिए ऐसे एआई मॉडल होने चाहिए जो समय पर इन खतरों का पता लगा सकें। एआई और जैव प्रौद्योगिकी का मिलन नए खतरे पैदा कर रहा है। इससे विशिष्ट जनसांख्यिकीय समूहों सहित बड़ी आबादियों के लिए अस्तित्व का खतरा पैदा हो सकता है। जैविक हथियार संहिता की कार्यान्वयन सहायता इकाई के समक्ष इन खतरों के शमन के उपायों के समन्वय में मुख्य जिम्मेदारी है। लेकिन दुर्भाग्य से इस इकाई के पास पर्याप्त साधन नहीं है। इसमें तत्काल सुधार की आवश्यकता है। यह सही है कि एआई हमें जीव विज्ञान की सभी जटिलताओं को समझने में सक्षम बना रही है। इससे हमें मानवता की कुछ सबसे गंभीर चुनौतियों को हल करने के लिए अरबों वर्षों के विकास का उपयोग करने का अवसर मिल रहा है। एआई लाइलाज बीमारियों को ठीक करने से लेकर जीवाश्म ईंधन के उपयोग को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने जैसी कई चुनौतियों से निपटने में मदद कर रही है। सकारात्मक प्रभाव की इस विशाल क्षमता के साथ बड़े और नए खतरे भी आते हैं। एआई का उपयोग लंबे समय से दवा की खोज के लिए किया जाता रहा है। इसके जरिए सबसे कम विषाक्तता वाले चिकित्सीय अणु की खोज की जाती है। जब वैज्ञानिकों की एक टीम ने विषाक्तता को बढ़ाने के लिए निर्धारित मानदंड को उलट दिया, तो एल्गोरिदम ने न केवल वीएक्स (अस्तित्व में सबसे शक्तिशाली जहरों में से एक) उत्पन्न किया, बल्कि नए विषाक्त पदार्थों को भी उत्पन्न किया, जिनके अधिक विषाक्त होने की भविष्यवाणी की गई थी। विषाक्तता के अलावा, एआई वायरस की संचरण क्षमता को भी बढ़ा सकती है और यह अक्सर महामारी फैलाने वाले वायरसों पर शोध करने वाली प्रयोगशालाओं में किया जाता है। जरा इबोला वायरस के रोगियों की मृत्यु दर के साथ कोविड-19 की संक्रामकता की कल्पना कीजिए। स्पष्ट हो जाएगा कि जैविक हथियारों की मारक क्षमता कितनी भयावह हो सकती है। एआई का उपयोग महामारी के प्रसार का अनुकरण करने के लिए भी किया जा सकता है जो क्वारंटीन के उपायों को लागू करने और परीक्षण संसाधनों को सुनिश्चित करने में उपयोगी हो सकता है। हालांकि, रोगाणुओं के प्रसार को बढ़ाने के लिए इसे उलटा भी किया जा सकता है। इस प्रकार इसके हानिकारक प्रभाव को बढ़ाया जा सकता है। दरअसाल, एआई और जैव प्रौद्योगिकी एकमात्र प्रौद्योगिकियां नहीं हैं जो नए खतरे पेश करने के लिए आपस में मिल सकती हैं। उदाहरण के लिए, डिजिटल प्रौद्योगिकियां जो बायोमैन्युफैक्चरिंग या खाद्य प्रणाली के साथ जुड़ी हुई हैं, संभावित जैविक हमले का मार्ग बन सकती हैं। दूसरी तरफ, एआई का उपयोग जैविक हथियारों को रोकने में मदद के लिए किया जा सकता है। उदाहरण के लिए एआई नए विषाक्त पदार्थ और रोगजनक स्ट्रेन उत्पन्न कर सकती है जिन्हें मौजूदा ब्लैकलिस्ट में जोड़ा जा सकता है। इस प्रकार जैविक हथियारों के संभावित हमलों के जोखिम को पहले से ही खत्म किया जा सकता है।

लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं।

जलाने के बजाय आजमाएं प्राकृतिक समाधान

पंकज चतुर्वेदी

कुछ माह पहले जो समाज हवा की गुणवत्ता खराब होने के चलते हरियाणा-पंजाब के किसानों को पराली जलाने के लिए दोष दे रहा था, वह अब वैसा ही काम करके खुद का नुकसान कर रहा है। दिल्ली का विस्तार कहलाने वाला गाजियाबाद जिला भले ही आबादी के लिहाज से हर साल विस्तार पा रहा है लेकिन जानकर आश्चर्य होगा कि अभी तक यहां नगर निगम के पास कूड़ा निस्तारण की कोई जगह नहीं है। चूंकि महानगर के बड़े हिस्से में अभी भी खुलापन, पेड़, हरियाली और बगीचे मौजूद हैं तो जगह-जगह सूखे पत्तों का ढेर लगा रहता है। हर कॉलोनी में इनके निस्तारण के लिए आग लगाना आम बात है। गाजियाबाद केवल एक उदाहरण है, दिल्ली से जितनी दूरी बढ़ती जाएगी सूखे पत्तों को फूंकने की लापरवाही भी बढ़ेगी। कुछ लोगों के लिए ये झड़े पत्ते महज कचरा हैं और वे इसे समेट कर जलाने को परंपरा, मजबूरी, मच्छर मारने का तरीका जैसे नाम देते हैं। असल में यह न केवल गैरकानूनी है, बल्कि प्रकृति पर अत्याचार भी है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने सन 2016 में सख्त लहजे में कहा था कि पेड़ों से गिरने वाली पत्तियों को जलाना दंडनीय अपराध है व प्रशासनिक अमला यह सुनिश्चित करे कि आगे से ऐसा न हो। इस बारे में समय-समय पर कई अदालतें व महकमें आदेश देते रहे हैं, लेकिन कानून के पालन को सुनिश्चित करने वाली संस्थाओं के पास इतने लोग व संसाधन नहीं हैं कि हरित न्यायाधिकरण के निर्देश का शत-प्रतिशत पालन करवा सके। कुछ साल पहले दिल्ली में एक सांसद की सरकारी कोठी में पत्तियां जलाने पर मुकदमा दायर हुआ था, उसके बाद दिल्ली में तो इस विषय में जागरूकता और सतर्कता है। लेकिन कई जगह तो नगर को साफ रखने का जिम्मा निभाने वाले स्थानीय निकाय खुद ही कूड़े के रूप में पेड़ से गिरी पत्तियों को जला देते हैं। असल में पत्तियों को जलाने से उत्पन्न प्रदूषण तो खतरनाक है ही, सूखी पत्तियां कई मायनों में बेशकीमती भी हैं। प्रकृति के विभिन्न तत्वों का संतुलन बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। सूखी पत्तियां जलाने से इंसान कई बीमारियों को न्योता देता है। गिरी हुई पत्तियों को जलाने के दौरान अल्पकालिक और दीर्घकालिक संपर्क से अस्थमा के दौरे, दिल के दौरे और कार्बन मोनोऑक्साइड विषाक्तता का खतरा भी बढ़ सकता है। दिल्ली हाईकोर्ट दिसंबर, 1997 में ही आदेश पारित कर चुका था कि पत्तियों को जलाने से गंभीर पर्यावरणीय संकट पैदा हो रहा है, इसलिए इस पर पूरी तरह पाबंदी लगाई जाये। सन 2012 में दिल्ली सरकार ने पत्ते जलाने पर एक लाख रुपये जुर्माने व पांच साल तक की कैद का प्रावधान किया था। लेकिन एक तो ऐसे मामलों की कोई शिकायत नहीं करता, दूसरे पुलिस भी ऐसे पचड़ों में फंसती नहीं। यह भी कि स्थानीय निकाय के लोग खुद ऐसी हरकतें करते हैं। ऐसे में जाने-अनजाने पूरा समाज वातावरण में जहर घोलने के कार्य में शामिल है। दिल्ली एनसीआर की आबोहवा इतनी दूषित हो चुकी है कि पांच साल के बच्चे तो इसमें स्वस्थ जी नहीं सकते हैं। दस लाख से अधिक बच्चे हर साल सांस की बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। प्रदूषण कम करने के विभिन्न कदमों के तहत हरित न्यायाधिकरण ने पाया कि महानगर में बढ़ रहे पीएम यानी पार्टिकुलेट मैटर का 29.4 फीसदी कूड़े व उसके साथ पत्तियों को जलाने से उत्पन्न हो रहा है। पेड़ की हरी पत्तियों में पाया जाने वाला क्लोरोफिल वातावरण में मौजूद जल-कणों को हाइड्रोजन व आक्सीजन में विभाजित कर देता है। हाइड्रोजन वातावरण में मौजूद जहरीली गैस कार्बड डाइआक्साइड के साथ मिलकर पत्तियों के लिए शर्करायुक्त भोजन उपजाती है। जबकि आक्सीजन तो प्राण वायु है ही। जब पत्तियों का क्लोरोफिल चूक जाता है तो उसका हरापन समाप्त हो जाता है व वे पीली या भूरी पड़ जाती हैं। हालांकि ये पत्तियां पेड़ के लिए भोजन बनाने के लायक नहीं रह जाती हैं लेकिन उसमें नाइट्रोजन, प्रोटीन, विटामिन, स्टार्च व शर्करा आदि का खजाना होता है। ऐसी पत्तियों को जब जलाया जाता है तो कार्बन, हाइड्रोजन, नाइट्रोजन व कई बार सल्फर से बने रसायन उत्सर्जित होते हैं। इसके कारण वायुमंडल की नमी और आक्सीजन तो नष्ट होती ही है, कार्बन मोनोआक्साइड, नाइट्रोजन आक्साइड, हाइड्रोजन सायनाइड, अमोनिया, सल्फर डाइआक्साइड जैसी दम घोटने वाली गैस वातावरण को जहरीला बना देती हैं। अनुमान है कि दिल्ली एनसीआर में दो हजार हेक्टेयर से ज्यादा इलाके में हरियाली है व इससे हर रोज 200 से 250 टन पत्ते गिरते हैं और इनका बड़ा हिस्सा जलाया जाता है। एक बात और, पत्तों के तेज जलाने की तुलना में उनके धीरे-धीरे सुलगने पर ज्यादा प्रदूषण फैलता है। एक अनुमान है कि दिल्ली एनसीआर इलाके में जलने वाले पत्तों से पचास हजार वाहनों से निकलने वाले जहरीले धुएं के बराबर जहर फैलता है। बता दें, पत्ते जलने से निकलने वाली सल्फर डाइआक्साइड, कार्बनमोनो व डाइआक्साइड आदि गैसें दमघोटू होती हैं। शेष बची राख भी वातावरण में कार्बन की मात्रा तो बढ़ाती ही है, जमीन की उर्वरा क्षमता भी प्रभावित होती है। अमेरिका और यूरोप के देशों में पेड़ से गिरी पत्तियों को वहां से उठाने पर पाबंदी है क्योंकि वे जानते हैं कि ये पत्तियां सूख कर धरती को समृद्ध कर रही हैं। यदि केवल एनसीआर की हरियाली से गिरे पत्तों को धरती पर यूं ही पड़ा रहने दें तो जमीन की गर्मी कम होगी, मिट्टी की नमी तेज गर्मी में भी बरकरार रहेगी।

यदि इन पत्तियों को महज खत्ती में दबा कर कंपोस्ट खाद में बदल लें तो लगभग 100 टन रासायनिक खाद का इस्तेमाल कम किया जा सकता है। इस बात का इंतजार करना बेमानी है कि पत्ते जलाने वालों को कानून पकड़े व सजा दे। बेहतर होगा कि समाज तक यह संदेश पहुंचाया जाए कि सूखी पत्तियां पर्यावरण-मित्र हैं और उनके महत्व को समझाना, संरक्षित करना सामाजिक जिम्मेदारी है। इसके लिए स्कूली बच्चों में व आरडब्ल्यूए स्तर पर जागरूकता लानी जरूरी है वहीं प्रशासन के स्तर पर निगरानी अनिवार्य है।

विचार मंथन

विभिन्न चरणों मे मतदान

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

देश मे पहले चरण का लोकसभा चुनाव मतदान 19 अप्रैल को हो रहा है ।लोकसभा की 543 सीटों के लिए 97 करोड़ से अधिक मतदाता 10.50 लाख मतदान केंद्रों के माध्यम से विभिन्न चरणों मे मतदान कर सकेंगे ।जिसके लिए चुनाव आयोग ने लगभग डेढ़ करोड़ चुनाव अधिकारियों की नियुक्ति की है ।मतदान सहज रूप से मतदाताओं को आवश्यक सुविधाओं के साथ सम्पन्न कराया जा सके ,इसके लिए मतदान स्थल पर पेयजल सुविधा, शौचालय, व्हीलचेयर, रैंप, शेड,बिजली आपूर्ति, स्वयं सेवक प्रदत्त किये गए है ।देश को मिली आजादी के बाद से अभी तक मतदान के विभिन्न चुनाव में विभिन्न तरीके अपनाये गए है। गांव स्तर से लेकर राज्य और केन्द्र स्तर तक अपना जनप्रतिनिधी चुनने के लिए जो तरीके अपनाये गए उनमें हाथ उठाकर अपना वोट डालने से लेकर ईवीएम वोटिंग मशीन तक का उपयोग मतदाताओं के लिए वरदान बना है। सन 1952 से लेकर साथ के दशक तक गांव में लोग अपना प्रधान व ग्राम सदस्यों का चुनाव हाथ उठाकर करते थे। तब न बैलट पेपर का झंझट था ,न वोटिंग मशीन की जरूरत थी, बस हाथ उठाओं और हो गया वोट । हरिद्वार जिले के गांव खुब्बनपुर निवासी मास्टर सुमन्त सिंह आर्य ने अपनी सरकारी नोकरी के दौरान चार बार ऐसे चुनाव कराये जब वोट बैलट के बजाए हाथ उठाकर दिया गया था। ग्राम सभाओं के ग्राम प्रधान व ग्राम सभा सदस्यो के चुनाव सन 1962 तक हाथ उठाकर ही कराये जाते थे। लेकिन जब हाथ उठाकर वोट देने के कारण लोगो के बीच आपसी राजनीतिक रंजिश बढने लगी तो हाथ उठाकर वोट देने की सरल व सुगम परम्परा को बन्द करना पडा। हालांकि आजादी के पहले तक तो हाथ उठाकर वोट डालने की परम्परा सामान्य थी। लेकिन तब भी कभी बडे सदनो के लिए हाथ उठाकर वोट डालने की प्रक्रिया को नही अपनाया गया ।अपने जीवनकाल में स्वाधीनता सेनानी सत्यवती सिन्हा ने अपने अनुभव सुनाते हुए बताया था कि पहले लोग वोट का मतलब तक नही समझते थे । एक बार जब वे लोगो को एक पार्टी विशेष के पक्ष में वोट डालने के लिए कहने गई और उन्हे उस समय के चुनाव चिन्ह बैलो की जोडी के बारे में बताया तो गांव की महिलाओं ने वोट डालने के लिए मतदान केन्द्र पर जाने के बजाए खेतो में जाकर बैलो की जोडी के सामने पांच पांच पैसे चढा दिये और समझ लिया कि उन्होने मतदान कर दिया है। ग्राम प्रधान रह चुकी कमला बमोला का कहना है कि मतदान के लिए आज भी कई स्थानों पर लोगो को कई कई किमी तक पैदल जाना पडता है जो कि एक गलत व्यवस्था है। उन्होने माना कि चुनाव में काफी सुधार हुए है लेकिन अभी भी चुनाव धन बल की विकृति से मुक्त नही हो पाया है ।गरीब व आम आदमी आज भी चुनाव लडने का साहस नही जुटा पाता। ऐसे में कैसे माना जाए कि लोग उस आम जनता में से चुन कर जा रहे है जिनकी संख्या कम से कम नब्ब फिसदी है ।इसी कारण 90 प्रतिशत लोग आज भी चुनाव न लड पाने की हैसियत न होने के कारण चुनाव से दूर रह जाते है और जनप्रतिनिधी बनने से वंचित हो जाते है। इसी तरह अन्तर्राष्टीय खिलाड़ी डॉ आदेश कुमार शर्मा इस बात से दुखी है कि चुनाव मैदान में उतरे प्रत्याशी आज भी वोटरो को प्रलोभित कर वोट पाना चाहते है और जब ऐसे लोग चुनाव जीत जाते है तो चुनाव बाद 5 साल तक फिर वे क्षेत्र में नजर नही आते ऐसे प्रत्याशियो को नकारने पर वे जोर देते है । उन्होने चुनाव आयोग द्वारा चुनाव सुधार की दिशा में टी एन शेषन के समय की गई सख्ती का स्वागत किया था।

उनकी सोच है कि चुनाव आयोग टीएन शेषन के समय से ही अच्छे रास्ते पर चलने लगा था परन्तु अब फिर उसकी विश्वनीयता ईवीएम पर सवाल उठने के कारण घटने लगी है ।एक बार विधायक या सांसद बनने पर उनकी आय मे कई सौ गुना वृद्धि कैसे हो जाती है इस पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है ।चुनाव आयोग द्वारा दिल्ली में पिछले चुनाव में मतदान के दिन कोई भी प्रत्याशी मतदान स्थल से 100 मीटर दूरी तक मतदाताओं को हाथ जोडकर नमस्ते तक नही कर पाया था,यह प्रावधान लोगो को बहुत पसंद आया है ।जब आप वोट डालने मतदान केंद्र पर जाए और आपको पता चले कि आपका वोट किसी ने पहले ही डाल दिया है,ऐसी हालत में आप पीठासीन अधिकारी से टेंडर वोट डालने की सुविधा प्राप्त कर सकते है ।यदि किसी मतदान केंद्र पर टेंडर वोट कुल मतदान का 40 प्रतिशत से अधिक हो जाए तो वहां पुन: मतदान कराया जाएगा।

गूगल ने और कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

सैन फ्रांसिस्को। गूगल की तरफ से इजराइल को प्रौद्योगिकी देने का विरोध करने पर कंपनी ने 20 और कर्मचारियों को निकाल दिया है। कर्मचारियों के समूह ने कहा कि इस मामले में गूगल अब तक 50 से ज्यादा कर्मचारियों को निकाल चुकी है। यह प्रोजेक्ट निंबस पर केंद्रित गूगल में आंतरिक उथल-पुथल का नया संकेत है। इजराइली सरकार को क्लाउड कंप्यूटिंग और कृत्रिम मेधा सेवाएं देने के उद्देश्य से गूगल और अमेजन के लिए इस परियोजना पर 2021 में दस्तखत किए गए थे। गाजा में जारी युद्ध के बीच गूगल के न्यूयॉर्क और कैलिफोर्निया में सनीवेल स्थित कार्यालयों पर कर्मचारियों ने पिछले सप्ताह धरना-प्रदर्शन किया। इसके बाद कंपनी ने पुलिस को भी बुलाया, जिसने प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया। विरोध प्रदर्शन का आयोजन करने वाले समूह ने कहा कि कंपनी ने पिछले सप्ताह 30 कर्मचारियों को निकाला था। समूह यह मांग कर रहा है कि रंगभेद करने वालों को कोई प्रौद्योगिकी नहीं दी जाए। समूह के सदस्य जेन चुंग ने कहा कि इसके बाद मंगलवार को गूगल ने लगभग 20 और कर्मचारियों को निकाल दिया। कंपनी ने समूह के दावों का खंडन करते हुए कहा कि जिन लोगों को निकाला गया है उनमें से प्रत्येक व्यक्ति व्यक्तिगत रूप से और निश्चित रूप से हमारी इमारतों के अंदर विघटनकारी गतिविधियों में शामिल था।

आरबीआई ने महाराष्ट्र में कोणार्क अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक पर लगाया प्रतिबंध

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने महाराष्ट्र के उल्हासनगर स्थित द कोणार्क अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक पर पैसा निकालने सहित कई प्रतिबंध लगाए। बैंक पर ये प्रतिबंध उसकी खराब वित्तीय स्थिति को देखते हुए लगाए गए हैं। पात्र जमाकर्ता जमा बीमा और क्रेडिट गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) से अपनी जमा राशि में से पांच लाख रुपये तक की जमा बीमा दावा राशि प्राप्त करने के हकदार होंगे। कोणार्क बन को-ऑपरेटिव बैंक पर बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 35ए के तहत प्रतिबंध 23 अप्रैल कारोबार बंद होने के समय से लागू हो गए। लगाए गए प्रतिबंधों के साथ बैंक आरबीआई की अनुमति के बिना किसी भी ऋण और अग्रिम को मंजूरी या नवीनीकृत नहीं कर सकता है, कोई निवेश नहीं कर सकता है, कोई देनदारी हस्तांतरण नहीं कर सकता है या अपनी किसी भी संपत्ति का निपटान नहीं कर सकता है। केंद्रीय बैंक ने कहा` कि बैंक की वर्तमान नकदी स्थिति को ध्यान में रखते हुए सभी बचत खातों या चालू खातों या जमाकर्ता के किसी अन्य खाते में कुल शेष राशि से कोई भी राशि निकालने की अनुमति नहीं दी जा सकती है, लेकिन ऋणों को समायोजित करने की अनुमति है। आरबीआई ने कहा कि ऋणदाता पर प्रतिबंध को बैंकिंग लाइसेंस रद्द करने के रूप में नहीं समझा जाना चाहिए। इसमें कहा गया है कि बैंक अपनी वित्तीय स्थिति में सुधार होने तक प्रतिबंधों के साथ बैंकिंग कामकाज करना जारी रखेगा।

वित्तीय परिणाम के बाद आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल का शेयर गिरा

नई दिल्ली । निजी क्षेत्र की बीमा कंपनी आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल के शेयर में बुधवार को लगभग सात फीसदी की ` गिरावट आई है। बीते वित्त वर्ष की जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी के मुनाफे में 26 प्रतिशत की गिरावट की सूचना के बाद कंपनी का शेयर गिरा है। बीएसई में शेयर 6.73 प्रतिशत गिरकर 553.15 रुपए पर पर रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में यह 6.24 प्रतिशत की गिरावट के साथ 556.75 रुपए पर रहा। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ने कहा कि अधिक खर्च के कारण 31 मार्च को समाप्त तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 26 प्रतिशत घटकर 174 करोड़ रुपए रहा। बीमा कंपनी को 2022-23 की चौथी तिमाही में 235 करोड़ रुपए का लाभ हुआ था। पूरे वित्त वर्ष 2023-24 में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल का मुनाफा पांच प्रतिशत बढ़कर 852 करोड़ रुपए हो गया। वित्त वर्ष 2022-23 में मुनाफा 811 करोड़ रुपए था।

अडानी समूह की कंपनियों के शेयरधारकों का बदल रहा पैटर्न

- एफपीआई के बजाय स्पष्ट पहचान वाले निवेशकों और फंडों की मौजूदगी बढ़ी

नई दिल्ली ।

शॉर्ट सेलिंग और नियामकों की जांच के दौरान अडानी समूह की कंपनियों के शेयरधारकों के पैटर्न में काफी बदलाव देखा जा रहा है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के बजाय स्पष्ट पहचान वाले निवेशकों और व्यापक आधार वाले फंडों की मौजूदगी बढ़ी है। स्टॉक एक्सचेंज द्वारा सार्वजनिक तौर पर जारी शेयरधारिता आंकड़ों के विश्लेषण से यह जानकारी मिली है। समूह की कंपनियों में सीधे तौर पर कम से कम 1 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाले बड़े शेयरधारकों में भारतीय जीवन बीमा निगम, अमेरिकी निवेशक जीक्यूजी पार्टनर्स, अबू धाबी की इंटरनैशनल होल्डिंग कंपनी और कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी की आईएनक्यू होल्डिंग शामिल हैं। यहां तक कि घरेलू म्युचुअल फंडों ने भी अडानी समूह के शेयरों में निवेश करना शुरू कर दिया है। समूह के कुछ शेयरों का निफ्टी 50 और निफ्टी नेक्स्ट 50 जैसे लोकप्रिय सूचकांकों में शामिल होना भी इसकी एक वजह है। एक विश्लेषक ने कहा` कि मार्च 2024 तिमाही के दौरान एफपीआई ने अडानी समूह की 10 सूचीबद्ध कंपनियों में से सात में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई है। अधिकतर कंपनियों में खुदरा और घरेलू निवेशकों ने भी ऐसा ही किया है। एक या दो पुराने निवेश को छोड़ दिया जाए तो अडानी समूह की कंपनियों के मौजूदा ढांचे पर उंगली उठाने की गुंजाइश नहीं है। समूह के परिचालन प्रदर्शन में सुधार होने, ऋण बोझ में कमी आने और बेहतर मूल्यांकन से इसे निवेशकों के बीच बेहतर स्वीकार्यता मिलेगी। कुछ साल पहले की स्थिति को देखें तो अडानी समूह की अधिकतर कंपनियों के बड़े शेयरधारक मॉरीशस के थे। उनके अंतिम लाभकारी स्वामित्व (यूबीओ) की पहचान करने में नियामक को भी कड़ी मेहनत करनी पड़ रही है।

फिलहाल कुछ फंड जो बाजार नियामक सेबी की जांच के दायरे में हैं, उनका अडानी समूह की कंपनियों में बड़ी हिस्सेदारी थी। अडानी समूह ने हमेशा किसी भी तरह की गड़बड़ी करने अथवा इनमें से किसी भी फंड से संबंध होने से इनकार किया है।

भारत और मैक्सिको में टेस्ला प्लांट लगाने में करना पड़ेगा लंबा इंतजार

मुंबई ।

भारत और मैक्सिको में टेस्ला के प्लांट को लगने में अभी और समय लग सकता है। एक खबर के मुताबिक भारत और मैक्सिको में टेस्ला का प्लांट लगाने में देरी हो सकती है। कंपनी ने तिमाही नतीजे पेश किए, जिसके बाद कंपनी की ओर से अपडेट आया है कि अभी मौजूदा प्लांट या फैक्ट्री से ही नए व्हीकल्स तैयार किए जाएंगे। कंपनी की ओर से कहा गया है कि इस साल के अंत तक टेस्ला की गाड़ियां मौजूदा मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में भी तैयार होंगी। कंपनी ने कहा कि भारत और मैक्सिको में नया निवेश पर अभी विचार किया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, 2023 से प्रोडक्शन कैपिसिटी को बढ़ाकर 50 फीसदी तक लेकर जाना है, जो कि हर साल 30 लाख यूनिट्स हैं और उसके बाद ही नए प्लांट में निवेश करने पर विचार किया जाएगा। कंपनी का कहना है कि इस अद्यतन के परिणामस्वरूप पहले की अपेक्षा कम लागत में कमी आ सकती है, लेकिन यह हमें अनिश्चित समय के दौरान अधिक पूंजीगत व्यय के साथ अपने वाहन की मात्रा को विवेकपूर्ण ढंग से बढ़ाने में सक्षम बनाता है।

जियो के नए प्लान आ रहे 25 अप्रैल को

-ऐड फ्री सब्सक्रिप्शन प्लान्स होगा लॉन्च

नईदिल्ली । जियो की ओर से न द्य ऐड फ्री सब्सक्रिप्शन प्लान्स को लॉन्च किया जा रहा है। यह प्लान उन जियो सिनेमा यूजर्स के लिए होंगे, जो बिना विज्ञापन के आईपीएल मैच देखना चाहते हैं। इसे लेकर जियो ने एक टीजर जारी करके जानकारी दी है, जिसके मुताबिक जियोसिनेमा के नए प्लान्स को 25 अप्रैल 2024 को लॉन्च किया जाएगा। मौजूदा वक्त में जियो सिनेमा की तरफ से दो प्लान्स को रोलआउट किया गया है। जियो सिनेमा का बेसिक प्लान 99 रुपये में आता है, जबकि एनुअल प्लान 999 रुपये में आता है। इस प्लान्स में यूजर्स को हॉलिवुड कंटेंट के साथ चुनिंदा मूवी और शोज का एक्सेस मिलता है। इस प्लान में यूजर्स एक बार में चार डिवाइस पर ऐप यूज कर सकते हैं। वैसे तो जियोसिनेमा का नए प्लान के बारे में ज्यादा डिटेल मौजूद नहीं है, लेकिन ऐसा दावा किया जा रहा है कि 99 रुपये मंथली प्लान से प्रीमियम प्लान लॉन्च किया जा सकता है। साथ ही 84 दिनों वाले प्लान को भी लॉन्च किया जा सकता है। मौजूदा वक्त में जियोसिनेमा पर आईपीएल मैच को फ्री में दिखाया जा रहा है। ऐसें में आईपीएल फैंस को घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि जियो की ओर से फ्री आईपीएल प्रसारण को बंद नहीं किया जा रहा है। बता दें कि जियो सिनेमा ऐप पर इन दियों आईपीएल मैच का प्रसारण किया जा रहा है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 114 , निफ्टी 34 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये बढ़त दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। आज कोरोबार के दौरान धातु और कमोडिटी शेयरों में जमकर खरीदारी हुई और उससे भी बाजार को बल मिला पर टेलीकॉम, आईटी और टेक काउंटरों पर भारी बिकवाली के दबाव से इस तेजी पर अंकुश लग गया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सूचकांक सेंसेक्स 114.49 अंक करीब 0.16 फीसदी बढ़कर 73,852.94 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 34.40 अंक तकरीबन 0.15 फीसदी बढ़कर 22,402.40 अंक पर बंद हुआ। वहीं सेंसेक्स के शेयरों में जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा स्टील, पावर ग्रिड, कोटक महिंद्रा बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, एनटीपीसी और बजाज फाइनेंस के शेयरों में तेजी रही जबकि टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टेक महिंद्रा, मारुति, रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाइटन के शेयर गिरावट पर बंद हुए। दूसरी ओर एशियाई बाजारों में सियोल, टोक्यो, शंघाई और हांगकांग के अलावा यूरोपीय बाजारों में भी अधिकतर में बढ़त रही। इसके अलावा गत दिवस अमेरिकी बाजार भी बढ़त पर बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुले। सेंसेक्स 200 अंक से ज्यादा के अंतर के साथ 73,958 पर खुला। इसी तरह एनएसई निफ्टी 54 अंक ऊपर 22,421 पर खुला। पिछले कारोबारी सत्र में बाजार बढ़त पर बंद हुए थे। वहीं जनरल मोटर्स की बेहतर कमाई के कारण कल रात अमेरिकी बाजार तेजी के साथ बंद हुआ। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 0.7 फीसदी की तेजी आई। नैस्डैक 1.6 फीसदी बढ़ा और एसएंडपी 500 1.2 फीसदी बढ़ा। बुधवार को एशियाई बाजार में, जापान का निक्की 2 फीसदी उछली। कोस्पी और ताइवान में 1.7 फीसदी का उछाल आया

अर्बन के अल्ट्रा-फास्ट चार्जिंग जीएएन एडॉप्टर लॉन्च

-फोन को सिर्फ 30 मिनट में 50 प्रतिशत तक कर सकते हैं चार्ज

नईदिल्ली ।

अर्बन कंपनी ने अल्ट्रा-फास्ट चार्जिंग जीएएन एडॉप्टर बाजार में प्रस्तुत किए है। यह बहुमुखी यूनिवर्सल एडॉप्टर त्वरित चार्ज और पावर डिलीवरी क्षमताओं के साथ लैस हैं और उनका एक कॉम्पैक्ट नैनो डिज़ाइन है। चार्जर में 20वॉट, 25वॉट, 33वॉट, 40वॉट और 65वॉट तक की क्षमताएं हैं। ये एडॉप्टर गैलियम नाइट्राइड पावर का इस्तेमाल करते हैं ताकि वे डिवाइस तेजी से चार्ज कर पाएं। उत्पादों को एमेज़न, क्रोमा, विजय सेल्स और अर्बन के खुद के डी2सी प्लेटफ़ॉर्म, अर्बनवर्ल्ड डॉट काम पर उपलब्ध किया गया है। इसे ब्लैक एडिशन के रूप में लॉन्च किया गया है, यह प्रीमियम रेंज एक अद्वितीय चार्जिंग अनुभव प्रदान करता है, जो सामान्य चार्जरों की तुलना में आपके डिवाइस को 2.5 गुना तेजी से चार्ज कर सकता है, आपके फोन को सिर्फ 30 मिनट में 0 से 50 प्रतिशत तक चार्ज कर सकता है। भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा प्रमाणित किया गया एडाप्टर में गैलियम नाइट्राइड (जीएएन) प्रौद्योगिकी और एक 9-स्तरीय सर्किट सुरक्षा प्रणाली शामिल है जो प्रदर्शन और सुरक्षा मानकों की गारंटी देती है। अर्बन के 25वॉट और 20वॉट जीएएन प्रो वॉल एडॉप्टर द्वारा उपलब्ध अत्यधिक उत्कृष्ट अल्ट्रा-फास्ट चार्जिंग द्वारा आपके स्मार्टफोन को सिर्फ 30 मिनट में 50 प्रतिशत तक चार्ज किया जा सकता है। 899 रुपये और 799 रुपये में लॉन्च किया गया, इसके कॉम्पैक्ट और पोर्टेबल आयाम (53.38 एमएम31.75 एमएम 41.16 एमएम) इसे यात्रा के दौरान आवश्यकताओं के लिए एक आदर्श चार्जिंग उपकरण है। इसके अलावा भी बहुत सारे एडॉप्टर ऑप्शन मार्केट में उपलब्ध हैं जो

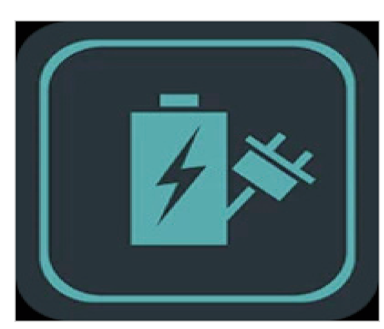

आपको फास्ट चार्जिंग ऑफर करते हैं। बीओएटी की तरफ से भी चार्जिंग एडॉप्टर लाया गया है।

ये भी एक यूनिवर्सल चार्जिंग एडॉप्टर है जो काफी डिमांड में रहता है। 699 रुपए की कीमत में आने वाले इस प्रोडक्ट की मदद से आप कोई भी स्मार्टफोन चार्ज कर सकते हैं। ये भी एक कॉम्पैक्ट चार्जर है।

अमेरिकी कारोबारी ने माना......अमेरिका को भी पीएम मोदी जैसे नेता की जरुरत

भारत के लिए उन्होंने अविश्वसनीय काम किया

मुंबई । जेपी मॉर्गन चेज एंड कंपनी के सीईओ जेमी डिमन ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की है। उन्होंने पीएम मोदी की तारीफ कर कहा कि भारत के लिए उन्होंने अविश्वसनीय काम किया है। डिमन ने पीएम मोदी की तारीफ कर कहा कि, वह तमाम चुनौतियों का डटकर सामना कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने इशारों में कहा कि अमेरिका में भी उनके जैसे नेता की जरूरत है। जो सभी चुनौतियों का डटकर सामना कर सके। डिमन ने कहा कि पीएम मोदी ने अपने प्रयासों से 400 मिलियन लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। इसके साथ ही उम्मीद जाहिर की इस गर्मी में पीएम मोदी तीसरी बार सत्ता में लौटने वाले हैं। डिमन ने पीएम मोदी शासन के द्वारा हाल के दिनों में भारत में किए गए सुधारों की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि आज भारत में 700 मिलियन लोगों का बैंक अकाउंट है और उनका पेमेंट सीधे उनके खाते में ट्रांसफर हो रहा है। भारत में अविश्वनीय शिक्षा पद्धति और इंस्फ्रास्ट्रक्टर है। उन्होंने पीएम मोदी के सख्त होने और उनके द्वारा देश के सख्त नौकरशाही प्रणालियों को तोड़ने का भी जिक्र किया। उन्होंने भारत के टैक्स सिस्टम की भी खूब प्रशंसा कर कहा कि राज्यों द्वारा अपनाई गई कर सिस्टम में असामनता को समाप्त करके पीएम मोदी की सरकार ने इससे भ्रष्टाचार को समाप्त कर दिया।

जर्मनी में सेल्स ड्राइविं शटल बस को देखते हुए लोग। ये बस जर्मनी के इंडस्ट्रीयल ट्रेड फेयर में प्रशे की गयी।

बायजू राइट्स इश्यू का मामला छह जून तक टला

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने शिक्षा प्रौद्योगिकी मंच बायजू के निवेशकों का पक्ष सुनने के बाद राइट्स इश्यू के जरिए जुटाई राशि के उपयोग पर प्रतिबंध को अगली सुनवाई तक बरकरार रखा। एनसीएलटी की बेंगलुरु पीठ ने निवेशकों के साथ कंपनी प्रबंधन का भी पक्ष सुना और इस मामले की अगली सुनवाई के लिए छह जून की तारीख तय की। इस पीठ ने साल की शुरुआत में अपने आदेश में कहा था कि राइट्स इश्यू के जरिए जुटाई गई राशि एक अलग एस्क्रो खाते में रखी जाए और मामले का निपटारा न होने तक इसकी निकासी न की जाए। निवेशकों ने आरोप लगाया है कि बायजू का संचालन करने वाली कंपनी थिंक एंड लर्न ने इस राशि का दुरुपयोग किया है और अदालत के पिछले आदेश का पालन नहीं किया है। दूसरी तरफ आर्थिक संकटों से घिरी कंपनी ने कहा कि उसने एनसीएलटी के निर्देशों का पूरी तरह से पालन किया है। बायजू पर चार निवेशकों ने न्यायाधिकरण के आदेश का उल्लंघन करने और राइट्स इश्यू के दौरान जुटाई गई कुछ राशि का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। निवेशकों प्रोसस, जनरल अटलांटिक, सोफिना और पीक एक्सवी के एक समूह ने अन्य शेयरधारकों के समर्थन के साथ कंपनी प्रबंधन और राइट्स इश्यू के खिलाफ एनसीएलटी का दरवाजा खटखटाया था। वित्तीय मुश्किलों में घिरने के बाद कंपनी ने फरवरी में 20 करोड़ डॉलर के राइट्स इश्यू को 22 अरब डॉलर के अपने शीर्ष उद्यम मूल्य की तुलना में 99 प्रतिशत कम मूल्यांकन पर जारी किया था।

कच्चे तेल में मामूली राहत, कुछ राज्यों में बदले पेट्रोल-डीजल के भाव

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल की कीमतों में बुधवार को मामूली राहत देखने को मिल रही है। सुबह डब्ल्यूआईटीआई क्रूड आइल 83.34 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहे थे, जबकि ब्रेंट क्रूड आइल 88.39 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। हालांकि मंगलवार को मजबूत हाजिर मांग के बाद कारोबारियों द्वारा अपने सौदों का आकार बढ़ाने से वायदा कारोबार में कच्चा तेल की कीमत 69 रुपये की तेजी के साथ 6,903 रुपये प्रति बैरल हो गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में कच्चे तेल का अप्रैल माह में डिलिवरी होने वाला अनुबंध 69 रुपये की तेजी के साथ 6,903 रुपये प्रति बैरल हो गया। इसमें 4.297 लॉट के लिए कारोबार हुआ। देश की राजधानी दिल्ली में पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर हैं। यहां पेट्रोल 94.72 रुपये लीटर और डीजल 87.62 रुपये लीटर पर स्थिर है। जबकि, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये लीटर और डीजल 92.15 रुपये और कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये बिक रहा है। चेन्नई में पेट्रोल-डीजल की कीमत पिछले छह दिनों से स्थिर है। यहां पेट्रोल 100.75 रुपये लीटर और डीजल 92.34 रुपये लीटर हो गया है। झारखंड की राजधानी रांची में पेट्रोल 17 पैसे सस्ता होकर 97.98 रुपये लीटर बिक रहा है। जबकि, डीजल की कीमतों में 17 पैसे की राहत मिली है। यहां डीजल 92.74 रुपये लीटर बिक रहा है।

बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 38 पैसे गिरकर 105.68 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है जबकि डीजल 36 पैसे महंगा होकर 92.51 रुपये लीटर पर बिक रहा है। जबकि गुजरात के अहमदाबाद में पेट्रोल की कीमत 21 पैसे महंगा होकर 94.65 रुपये हो गई है जबकि, डीजल की कीमत 21 पैसे बढ़कर 90.32 रुपये हो गई है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर है।

दिसंबर तिमाही में दूरसंचार सेवा क्षेत्र का एजीआर 1.8 फीसदी बढ़ाः ट्राई

नई दिल्ली ।

दूरसंचार सेवा क्षेत्र का समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) अक्टूबर-दिसंबर, 2023 में तिमाही आधार पर 1.88 फीसदी बढ़कर 67,835 करोड़ रुपए हो गया। दूरसंचार नियामक ट्राई के मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, दिसंबर 2023 तिमाही में दूरसंचार क्षेत्र का एजीआर एक साल पहले की समान तिमाही के मुकाबले 7.84 फीसदी बढ़ गया। दूरसंचार सेवाओं और अन्य निर्धारित वस्तुओं की बिक्री से दूरसंचार कंपनियों द्वारा अर्जित राजस्व को एजीआर कहा जाता है। दिसंबर 2023 को समाप्त तिमाही में दूरसंचार सेवा क्षेत्र का सकल राजस्व (जीआर) 84,500 करोड़ रुपए, लागू सकल राजस्व (एपीजीआर) 81,101 करोड़ रुपए और एजीआर 67,835 करोड़ रुपये रहा है। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के आंकड़े बताते हैं कि आलोच्य तिमाही में सितंबर तिमाही की तुलना में जीआर में 2.13 फीसदी, एपीजीआर में 1.70 फीसदी और एजीआर में 1.88 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। दूरसंचार सेवाओं के कुल समायोजित सकल राजस्व में एक्सेस सेवाओं का हिस्सा 82 प्रतिशत था। एक्सेस सेवा श्रेणी में दिसंबर तिमाही में भारती एयरटेल का एजीआर तिमाही आधार पर 3.2 प्रतिशत बढ़कर लगभग 20,480.6 करोड़ रुपए हो गया। वहीं सालाना आधार पर इसमें 11.98 फीसदी की वृद्धि रही। रिलायंस जियो के लिए एजीआर तिमाही आधार पर 2.7 फीसदी बढ़कर 24,862.85 करोड़ रुपए हो गया, जबकि सालाना आधार पर वृद्धि 10 फीसदी रही। भारी कर्ज बोझ से दबी वोडाफोन आइडिया का दिसंबर तिमाही में एजीआर पिछली तिमाही की तुलना में 0.65 फीसदी गिरकर लगभग 7,459 करोड़ रुपए हो गया।

आईपीएल 2024 : आरसीबी को बड़े अंतर से हराने उतरेगी सनराइजर्स

हैदराबाद (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गुरुवार को सनराइजर्स हैदराबाद टीम अपने घरेलू मैदान पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को बड़े अंतर से हराने के इरादे से उतरेगी। सनराइजर्स जहां इस सत्र में पांच मैच जीतकर 10 अंक लेकर तीसरे स्थान पर है, वहीं आरसीबी की टीम केवल एक जीत के साथ 2 अंक लेकर दसवें नंबर पर है। ऐसे में इस मैच में उतरते समय भी सनराइजर्स का मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा जबकि आरसीबी दबाव में रहेगी। इस सत्र में अब तक के प्रदर्शन को देखते हुए सनराइजर्स की टीम आरसीबी से कहीं आगे है।

सनराइजर्स ने इस सत्र में शुरुआत से ही आक्रामक रणनीत अपनायी है जिसका उसे लाभ भी हुआ है। अब इस मैच में भी वह तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए बड़ा स्कोर बनाना चाहेगी क्योंकि उसे मालूम है कि आरसीबी का गेंदबाजी आक्रमण कमजोर है। सनराइजर्स ने इस सत्र में आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर बनाने के साथ ही तीन बार तीन बार 250 रनों से अधिक बनाये हैं। उससे इससे पहले हुए मुकाबले में आरसीबी के खिलाफ तीन विकेट पर 287 रन बनाकर सबसे बड़े स्कोर का रिकार्ड बनाया था। टीम का लक्ष्य पावरप्ले में तेजी से बल्लेबाजी कर विरोधी गेंदबाजों पर दबाव बनाना रहा है। ऐसे में अब उसे रोकना आरसीबी के गेंदबाजों के लिए आसान नहीं रहेगा। ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा की जोड़ी इस मैच में भी नये रिकार्ड कायम करना चाहेगी। इसके अलावा हेनरिच क्लासेन और ऐडन मार्कराम जैसे बल्लेबाजी भी उसके पास हैं। वहीं गेंदबाजी की कमान कप्तान पैट कमिंस और भुवनेश्वर कुमार संभालेंगे

वहीं दूसरी ओर आरसीबी को गेंदबाजी आक्रमण को बेहतर करना होगा। आरसीबी की ओर से अब तब सात विकेट लेकर सबसे अच्छी गेंदबाजी यश दयाल ने की है पर वह भी 24वें स्थान पर है। आरसीबी की टीम आठ में से सात मैच हाकर 2 अंक लेकर सबसे नीचे है। आरसीबी ने अपने पिछले पांच मैच में कम से कम 180 रन दिये हैं और पिछले दो मैच में प्रतिद्वंद्वी टीम ने उसके खिलाफ 200 से ज्यादा रन बनाये हैं।

आरसीबी के बल्लेबाजों ने अपनी गेंदबाजी की खामियों को पूरी करने का प्रयास किया है पर वह सफल नहीं हुई। आरसीबी के बल्लेबाजों ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैच में

काफी रन बनाये पर इसके बाद भी वह एक रन से हार गयी। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने अब तक टूर्नामेंट में आरसीबी की ओर से सबसे अधिक 379 रन बनाये हैं। इसके अलावा कप्तान फाफ डुप्लेसी ने भी अच्छी पारियां खेली हैं।

दूसरी ओर हैदराबाद टीम के हेड और अभिषेक किसी भी शॉट लगाने के किसी भी अवसर को नहीं छोड़ते। हेनरिच क्लासेन भी उनका पूरा साथ देते हैं। ऐसे में इस मैच में सनराइजर्स जीत की प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगी।

टीम

सनराइजर्स हैदराबाद- पैट कमिंस (कप्तान), अब्दुल समद, अभिषेक शर्मा, ऐडन मार्कराम, मार्को जानसन, राहुल त्रिपाठी, वाशिंगटन सुंदर, ग्लेन फिलिप्स, सनवीर सिंह, हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), भुवनेश्वर कुमार, मयंक अग्रवाल, टी नटराजन, अनमोलप्रीत सिंह, मयंक मारकंडे, उपेन्द्र सिंह यादव (विकेटकीपर), उमरान मलिक, नीतिश कुमार रेड्डी, फजलहक फारूकी, शाहबाज अहमद, ट्रेविस हेड, जयदेव उनादकट, आकाश सिंह, जे सुब्रमण्यन।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु -फाफ डुप्लेसी (कप्तान), ग्लेन मैक्सवेल, विराट कोहली, रजत पाटीदार, अनुज रावत (विकेटकीपर), दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), सूयश प्रभुदेसाई, विल जैक्स, महिपाल लोमरोर, कर्ण शर्मा, मनोज भंडागे, मयंक डागर, विजयकुमार विशाक, आकाशदीप, मोहम्मद सिराज, रीस टॉप्ले, हिमांशु शर्मा, रंजन कुमार, कैमरन ग्रीन, अल्जारी जोसफ, यश दयाल, टॉम कुरेन, लॉकी फरग्यूसन, स्वप्निल सिंह और सौरव चौहान।

51 साल के हुए सचिन को जन्मदिन पर मिलीं शुभकामनाएं

मुंबई (एजेंसी)। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर बुधवार 24 अप्रैल को 51 साल के हो गए। जन्मदिन के अवसर वर सचिन को साथी खिलाड़ियों और प्रशंसकों ने बधाई दी है। सचिन संन्यास के इतने समय बाद भी क्रिकेट जगत में छाये हुए हैं। उन्हें प्रशंसक क्रिकेट का भगवान तक मानते हैं। अपने दो दशक से अधिक समय के सबसे लंबे करियर में सचिन ने सबसे अधिक 100 शतक लगाने के साथ ही 200 टेस्ट खेले। ये उपलब्धि हासिल करने वाले वह विश्व के एकमात्र ख?िलाड़ी हैं। अंतर राष्ट्रीय क्रिकेट में मास्टर ब्लास्टर के नाम से लोकप्रिय सचिन ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भी धमाकेदारी क्रिकेट खेला।

आईपीएल में जहां हर एक खिलाड़ी की नीलामी होती है। वहीं सचिन और कुछ वरिष्ठ खिलाड़ी ही ऐसे हैं जो बिना नीलामी में उतरे इसमें शामिल हुए। इसका कारण है कि आईपीएल प्रबंधन और बीसीसीआई ने उन्हें बिना नीलामी के लिए शामिल किया। तब बोर्ड के मन में ये डर था कि क्रिकेट के भगवान सचिन और बाकी दिग्गज खिलाड़ियों की बोली लगाने से प्रशंसक नाराज हो जाएंगे। इसलिए सचिन के साथ ही कुछ दिग्गज खिलाड़ियों को नीलामी में नहीं भेजा गया। इसके बाद 5 खिलाड़ियों को मार्की प्लेयर बनाया गया।मतलब इन्हें पहले ही कुछ फ्रेंचाइजी अपनी टीम में शामिल कर लेंगी। यह 5 खिलाड़ी सचिन, सौरव गांगुली, वीरेंद्र सहवाग, राहुल द्रविड़ और युवराज सिंह।

सचिन को मुंबई इंडियंस, गांगुली को कोलकाता नाइट राइडर्स, सहवाग को दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स), द्रविड़ को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और युवराज को किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) ने शामिल किया।सचिन को मुंबई ने पहले ही सत्र में साइन किया। इसके लिए फ्रेंचाइजी ने मास्टर ब्लास्टर को एक सीजन के लिए 4 करोड़ 48 लाख 50 हजार रुपये फीस दी। 2010 सीजन तक सचिन की फीस यही रही। इसके बाद उनकी फीस बढ़ाकर 8 करोड़ 28 लाख रुपये कर दी गई। सचिन ने 2013 सीजन के बाद आईपीएल से संन्यास ले लिया था।

स्टोइनिस ने बनाया रिकार्ड

चेन्नई (एजेंसी)। मार्कस स्टोइनिस के शानदार शतक से लखनऊ सुपर जायंट्स ने यहां एमए चिदंबरम स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को हरा दिया। इस मैच में शतकीय पारी खेलने के साथ ही स्टोइना?स ने एकसाथ दो रिकार्ड बनाये हैं। सीएसके से मिले 211 रनों के टारगेट का पीछा करते हुए स्टोइना?स ने 124 रनों की नाबाद पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलायी। स्टोइना?स ने 63 गेंदों पर13 चौके और 6 छक्के लगाये। स्टोइनिस अब आईपीएल में लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले आईपीएल में साल 2011 में सीएसके के खिलाफ पंजाब के पॉल वल्थाटी ने नाबाद 120 रन रन बनाये थे। स्टोइनिस ने इसके अलावा आईपीएल में सीएसके के खिलाफ सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर बनाने के मामले में वीरेंद्र सहवाग को भी पीछे छोड़ दिया है।

लखनऊ सुपर जायंट्स टीम ने भी इस मैच में 211 रनों का लक्ष्य हासिल कर एक रिकार्ड बनाया। ये चेन्नई मैदान पर हासिल किया गया सबसे बड़ा लक्ष्य है। इसके साथ ही साल 2012 में आरसीबी के खिलाफ सीएसके द्वारा बनाया गया 206 रनों का चेज भी पीछे रह गया। इस मैच में सीएसके ने ऋतुराज गायकवाड़ के शतक की बदौलत 210 रन बनाये थे।

आईपीएल 2024 : राजस्थान का प्लेऑफ में पहुंचना तय , आरसीबी और पंजाब बाहर होंगी

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल के 17 संस्करण में अब तक सबसे अधिक 14 अंक लेकर राजस्थान रॉयल्स प्लेऑफ के करीब पहुंच गयी है। अब उसे प्लेऑफ में पहुंचने केवल एक ही जीत चाहिये। वहीं अंक तालिका में सबसे नीचे चल रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बाहर होने का समय आ गया है। आरसीबी ने अब तक एक ही जीत के साथ 2 अंक हासिल किये हैं। ऐसे में अब अगर वह बचे हुए सभी 6 मैच भी जीत जाती है तो भी प्लेऑफ में नहीं पहुंच सकती। इसके अलावा किंग्स इलेवन पंजाब की भी आरसीबी जैसी ही स्थिति है और उसका भी बाहर होना तय है। अभी 4 टीमें ऐसी हैं, जो अंक तालिका में सबसे नीचे हैं। इनमें आरसीबी और पंजाब किंग्स शामिल हैं। वहीं मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स भी बाहर होने की कगार पर हैं। अब इन्हें अपनी अम्मीदें बनाये रखने सभी मैच जीतने होंगे। एक भी हार इन्हें बाहर कर सकती है।

आरसीबी अब तक 8 में से 7 मैच हारी है। ये टीम अभी अंक तालिका में सबसे नीचे यानी 10वें पायदान पर है। ऐसे में फाफ डु प्लेसिस की कप्तानी वाली

आरसीबी अपने बाकी बचे सभी 6 मैच और जीत लेती है, तो भी उसके कुल 14 अंक होंगे। ऐसे में आरसीबी का प्लेऑफ में पहुंचना एकदम असंभव है। आईपीएल में अभी 10 टीमें खेल रही हैं। तब से अब तक प्लेऑफ में कभी भी कोई टीम 14 अंक के साथ प्लेऑफ में नहीं पहुंची है। सबसे नीचे चौथे नंबर की टीम के भी 16 अंक रहे हैं। ऐसे में आरसीबी टीम के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीद समाप्त हो गयी हैं। आरसीबी के लिए सभी चमत्कार हो सकता है जब बाकी टीमें अपने मैच हारें और आरसीबी अपने बचे हुए मैच भारी अंतर से जीते पर ऐसा होना संभव नहीं है।

पंजाब किंग्स के लिए करो या मरो की स्थिति बन गई है. यह टीम 8 में से 2 मैच जीतकर अंक तालिका में 9वें नंबर पर कायम है। यदि ये टीम बाकी बचे सभी 6 मैच जीतने होंगे, तब कहीं जाकर 16 अंक के साथ प्लेऑफ में पहुंच सकती है पर अगर ये टीम अब एक भी मैच हारती है, तो प्लेऑफ की रेस से बाहर हो जाएगी। उसके बाद कोई चमत्कार ही उसे आगे पहुंचा सकता है।

वहीं मुंबई और दिल्ली टीम की हालत भी इसी तरह की है। दोनों टीमों के बराबर 6-6 मैच बाकी हैं। यदि दोनों टीमें भी अपने सभी मैच जीतती हैं, तो 18 अंक के साथ प्लेऑफ में जगह पक्की कर लेंगी हालांकि यह संभव नहीं है, क्योंकि एक मैच इन दोनों टीमों को आपस में भी खेलना है, जिसमें से किसी एक की हार निश्चित है।

यदि ये दोनों टीमें मुंबई और दिल्ली अब 1-1 मैच हारती हैं, तब भी 16 अंक के साथ उनके प्लेऑफ में पहुंचने संभावना बनी रहेगी पर एक से अधिक मैच हारने पर ये टीमें बाहर हो जाएंगी।

लीवर कप के बाद नहीं खेलेंगे नडाल

बार्सिलोना । स्पेन के टेनिस स्टार रफेल नडाल ने कहा है कि 2024 एटीपी टूर उनका आखिरी साल हो सकता है। नडाल के अनुसार वह सितंबर में बर्लिन में लीवर कप के बाद नहीं खेलेंगे ।ऐसे में ये उनका अंतिम टूर्नामेंट हो सकता है।नडाल 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन रहे हैं। इससे पहले उन्होंने पिछले सप्ताह ही बार्सीलोना ओपन में एलेक्स डि मिनोर के खिलाफ दूसरे दौर में हार के बाद कहा था कि यह शायद यहां उनका अंतिम मैच था।नडाल ने बार्सीलोना में अब तक 12 बार खिताब जीते हैं।इस खिलाड़ी ने कहा, ''अपने करियर के इस चरण में मैं वास्तव में वहां जाना चाहता हूं और मुझे दिए गए हर अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहता हूं।'' फिट नहीं होने से उन्होंने इस साल केवल पांच प्रतिस्पर्धी मैच खेले हैं। गौरतलब है कि लीवर कप एक इनडोर हार्डकोर्ट पुरुष प्रतियोगिता है जो गोल्फ के राइडर कप के समान प्रारूप में विश्व टीम और यूरोप टीम के बीच खेला जाता है। नडाल ने कहा, ''मैं टीम यूरोप के लिए बर्लिन में लीवर कप खेलने को लेकर बहुत खुश हूं।'' उन्होंने कहा, ''मेरे पास लीवर कप के अनुभवों की कुछ विशेष यादें हैं जिनमें दो साल पहले अंतिम बार रोजर फेडरर के साथ खेलना भी शामिल है।

रोहित-कोहली टी20 विश्वकप में पारी की शुरुआत करे : गांगुली

नई दिल्ली ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने विराट कोहली की जमकर सराहना करते हुए कहा है कि उन्हें टी20 विश्वकप में रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करनी चाहिये। गांगुली ने कहा कि विराट में 40 गेंदों में ही शतक लगाने की क्षमताएं हैं।विराट ने इस आईपीएल सत्र में तेजी से खेलते हुए सबसे अधिक रन बनाये है पर इसके बाद भी उनके स्ट्राइक रेट पर सवाल उठे हैं।कोहली ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 67 गेंदों में 100 रन बनाए थे पर इसके बाद भी कहा गया कि उनका स्ट्राइक रेट कम है। इस पर गांगुली ने कहा, 'विराट के पास 40 गेंदों में 100 रन बनाने की भी क्षमताएं है।साथ ही कहा कि भारतीय टीम को टी20 विश्व कप में जीत के लिए उस प्रकार के सलामी बल्लेबाजों की जरुरत है जो मैदान में उतरते ही बड़े शॉट लगा सकें।इसके बाद दिखेगा कि पांच से छह ओवर के बाद क्या होगा।ऐसे में कोहली-रोहित से पारी की शुरुआत करना सबसे बेहतर फैसला रहेगा। गांगुली का मानना है चयन समिति, कोच राहुल द्रविड़ और रोहित टी20 विश्व कप के लिए टीम के सबसे बेहतर खिलाड़ियों का चयन करेंगे। उन्होंने कहा, 'अगर आप मुझसे पूछें और यह सिर्फ मेरी निजी राय है और मैं यह नहीं कह रहा हूं कि चयनकर्ताओं को ऐसा ही करना चाहिए क्योंकि टीम संयोजन को लेकर आखिरी फैसला उनका ही होता है। गांगुली ने कहा कि टी20 विश्व कप का चयन आईपीएल के केवल एक चरण पर आधारित नहीं होना चाहिए। आपको हर प्रदर्शन को देखना चाहिये। एक अच्छी टीम में अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का बेहतर संतुलन होता है। भारत के पास अभी कई अनुभवी खिलाड़ी और युवा खिलाड़ी है।

चहल को नहीं शामिल करने का दुख हमेशा रहेगा: हेसन

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स की ओर से इस आईपीएल सत्र में शानदार गेंदबाजी कर पर्पल कैप के दावेदार बने युजवेंद्र चहल ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है। टीम इंडिया से बाहर चल रहे चहल अपने इस प्रदर्शन से जहां टी20 विश्वकप के लिए भी जगह के दावेदार बन गये हैं। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के पूर्व क्रिकेट निदेशक माइक हेसन भी इस बात को लेकर पछता रहें हैं कि उन्होंने पिछली बार हुई नीलामी में क्यों इस स्पिनर को शामिल नहीं किया था। हेसन ने कहा है कि चहल को टीम में नहीं रखने का उन्हें अब भी दुख है। हेसन ने कहा कि तब आईपीएल की नीलामी में गलत आंकलन के कारण ही वह इस लेग स्पिनर को टीम में नहीं रख पाये थे। चहल आईपीएल में इस बार 200 विकेट वाले आईपीएल इतिहास के

पहले गेंदबाज भी बने हैं।

हेसन ने पूर्व भारतीय बल्लेबाज रोबिन उथप्पा से बात करते हुए कहा, 'चहल एक ऐसा खिलाड़ी है जिसे लेकर मैं तब तक निराश रहूंगा जब तक कि मैं अपना करियर समाप्त नहीं कर लेता और शायद उसके बाद भी। वह एक उत्कृष्ट गेंदबाज है। मुझे लगता है कि जब हर चक्र की बात आती है तो आपको यह तय करना होता है कि आप किसे रिटेन (बरकरार) रखना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, 'अगर आप केवल तीन खिलाड़ियों को रिटेन करते हैं तो आप नीलामी में चार करोड़ रुपए अतिरिक्त लेकर जाते हैं। इससे संभावित रूप से हमें हर्षल पटेल और चहल दोनों को खरीदने का अवसर मिलता। हेसन ने कहा कि चहल का नाम नीलामी में काफी देर से आया और तब तक फ्रेंचाइजी ने पहले ही श्रीलंकाई स्पिनर वानिंदु हसरंगा को खरीद लिया था। उन्होंने कहा, 'जब नीलामी का क्रम आया और उसमें चहल 65वें नंबर पर था। चहल के बाद कोई और स्पिनर नहीं था जिसमें हमारी दिलचस्पी थी। हेसन ने कहा, 'अगर हमें चहल नहीं मिलता तो हम स्पष्ट रूप से एक अन्य विकल्प के रूप में हसरंगा में रुचि रखते थे। इसलिए हमने उसके लिए बोली लगाई और फिर हसरंगा के बाद किसी ओर स्पिनर को नहीं खरीदा जा सकता था।

हरभजन बोले, सैमसन और यशस्वी को टी20 विश्वकप के लिए शामिल करें

जयपुर ।दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन और बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की जमकर प्रशंसा की है।हरभजन ने कहा कि इन दोनो को ही जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 विश्वकप के लिए

भी जगह मिलनी चाहिये।हरभजन के अनुसार सैमसन को वाले समय में भारतीय टी20 टीम की कप्तानी दी जानी चाहिये।साथ ही कहा कि जिस प्रकार से सैमसन ने आईपीएल मे राजस्थान रॉयल्स की कप्तान करते हुए उसे शीर्ष पर पहुंचाया है उससे उनकी नेतृत्व क्षमता का पता चलता है। ऐसे में उसे रोहित शर्मा के बाद अगले टी20 कप्तान के तौर पर तैयार किया जाना चाहिये।इसके अलावा सैमसन ने कप्तानी के दौरान जबरदस्त बल्लेबाजी भी की है और उनपर किसी भी प्रकार का दबाव नहीं दिखा है।वहीं यशस्वी को लेकर हरभजन ने कहा, मुम्बई इंडियंस के खिलाफ यशस्वी की शतकीय पारी इस बात को साबित करती है कि फार्म आता-जाता रहता है पर क्लास स्थायी होती है, यशस्वी की फॉर्म अस्थायी है।इसलिए उन्हें शामिल किये जाने पर किसी प्रकार की आशंकाएं नहीं होनी चाहिये।

सूर्यकुमार यादव आईसीसी टी20 बल्लेबाज रैंकिंग में शीर्ष पर कायम

दुबई (एजेंसी)। भारत के स्टार सूर्यकुमार यादव बल्लेबाजी टी-20 रैंकिंग में 861 की रेटिंग के साथ शीर्ष पर कायम है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकट परिषद (आईसीसीआई) की जारी ताजा रैंकिंग में इंग्लैंड के फिल साल्ट 802 की रेटिंग के साथ दूसरे नंबर पर हैं।

हाल ही में टी-20 में सबसे तेज तीन हजार रन बनाने वाले पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान को रैंकिंग में कोई फायदा मिलता हुआ नहीं दिख रहा है। उनकी रेटिंग 800 की है। इस बीच दक्षिण अफ्रीका के एडन मारक्रम एक पायदान आगे बढ़कर चौथे नंबर पर आ गए हैं और उनकी रेटिंग 755 की है। मारक्रम के कारण पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम को नुकसान हुआ है और वे एक स्थान नीचे खिसक कर पांचवें नंबर पर पहुंचे गए हैं। शीष पांच बल्लेबाजों के बाद छठे स्थान पर 714

रेटिंग के साथ यशस्वी जायसवाल हैं। दक्षिण अफ्रीका के राइली रूसो 689 की रेटिंग के साथ सातवें नंबर पर हैं। इंग्लैंड के जॉस बटलर 680 की रेटिंग के साथ अब एक स्थान की उछाल के साथ आठवें नंबर पर पहुंच हैं। न्यूजीलैंड के फिन ऐलन एक स्थान नीचे यानी नौवें नंबर पर पहुंच गए हैं। उनकी रेटिंग 666 की है। दक्षिण अफ्रीका के रीजा हेड्रिक्स 660 की रेटिंग के साथ अभी भी नंबर 10 पर बने हुए हैं। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी एक बार फिर पाकिस्तान के सर्वोच्च रेटिंग वाले टी-20 गेंदबाज हैं। वह न्यूजीलैंड केखिलाफ सीरीज में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्थान ऊपर चढ़कर 17वें स्थान पर पहुंच गए हैं। तेज गेंदबाजी में टीम साउदी और साथी तेज हारिस रऊफ 22वें स्थान पर हैं। इंग्लैंड के आदिल रशीद गेंदबाजों की नवीनतम टी-20 रैंकिंग में शीर्ष पर कायम हैं, जबकि साथी स्पिनर ईश सोढ़ी को भी पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला में न्यूजीलैंड के लिए तीन विकेट लेने के बाद रैंकिंग में कुछ सुधार हुआ है।

कुलदीप यादव ने दिया बड़ा बयान, बोले- केकेआर में मुझे ज्यादा मार्गदर्शन नहीं मिलता था

नई दिल्ली । भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव जब कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का हिस्सा थे तब उनके प्रदर्शन में काफी गिरावट आयी थी लेकिन दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ जुड़ने के बाद इस गेंदबाज ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के साथ राष्ट्रीय टीम के लिए भी शानदार प्रदर्शन किया। दिल्ली की टीम से जुड़ने के बाद कुलदीप ने 33 मैचों में 41 विकेट चटकाए है।कुलदीप बताया कि 2020 में घुटने की ऑपरेशन के बाद कोच कपिल पांडे की देखरेख में अभ्यास करते हुए उन्होंने नए कौशल विकसित किए जिसका फायदा मिला। कुलदीप ने कहा, 'मैं जब केकेआर में था तब मुझे मार्गदर्शन की जरूरत थी लेकिन अब ऐसी स्थिति नहीं है।अब मैं अपनी समझ से चीजें नियंत्रित करता हूं। माही भाई (महेन्द्र सिंह धोनी) ने 2019 के बाद राष्ट्रीय टीम के लिए खेलना छोड़ दिया था और उसके बाद मुझे मार्गदर्शन की जरूरत महसूस हुई। अब अनुभव के साथ मैं चीजों को बेहतर तरीके से समझने लगा हूं।' उन्होंने कहा, 'मुझे अब भी केकेआर (2016-2020 तक) में अपने समय पर पछतावा है और मुझे लगता है कि मैं अब जो कुछ भी कर रहा हूं, काश मैं इसे पहले ही कर पाता।' उन्होंने कहा, 'मुझे अब भी दुख होता है कि अगर मैंने उस समय उन कौशलों पर काम किया होता, तो मैं और भी अधिक प्रभावी हो सकता था।'

आईसीसी ने जमैका के धावक उसेन बोल्ट को टी 20 विश्व कप का दूत नियुक्त किया

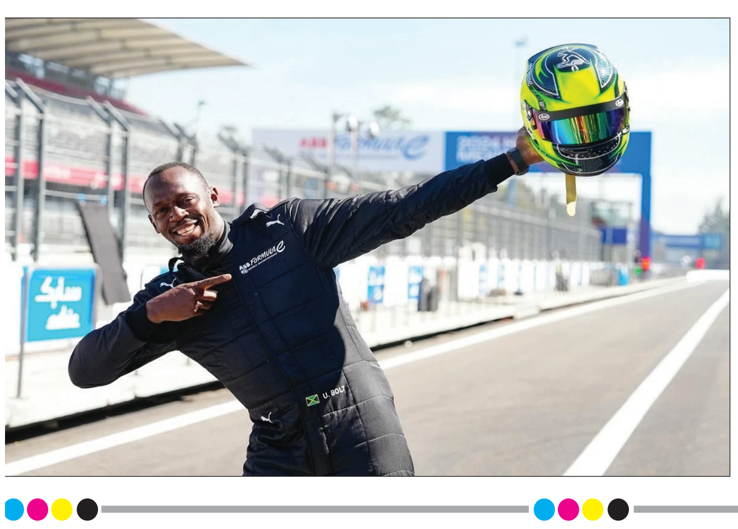

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने महान धावक उसेन बोल्ट को एक से 29 जून तक वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेले जाने वाले आगामी टी20 विश्व कप का ब्रांड दूत नियुक्त किया। जमैका में जन्में बोल्ट ने 2008 में बीजिंग में हुए ओलंपिक खेलों में इतिहास रचा था, जहां उन्होंने विश्व रिकॉर्ड समय में 100 मीटर, 200 मीटर और 4 गुणा 100 मीटर दौड़ जीती थी। बोल्ट के नाम वर्तमान में 100 मीटर, 200 मीटर और 4 गुणा 100 मीटर में क्रमशः 9.58 सेकंड, 19.19 सेकंड और 36.84 सेकंड के समय के साथ विश्व रिकॉर्ड हैं।

बोल्ट विश्व कप के अपने देश आने और अपनी नयी भूमिका को लेकर उत्साहित है। आईसीसी से जारी विज्ञप्ति में बोल्ट ने कहा, ''मैं आगामी आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप का दूत बनकर रोमांचित हूं। कैरेबियाई देशों क्रिकेट जीवन का एक हिस्सा है, इस खेल के लिए हमेशा मेरे दिल में एक विशेष स्थान रहा है।'' बोल्ट ने कहा कि क्रिकेट के लिए अमेरिका में बाजार ढूंढना बहुत बड़ी बात होगी। उन्होंने कहा, ''मैं विश्व कप में वेस्टइंडीज का समर्थन करूंगा, लेकिन इस खेल को अमेरिका में लाना क्रिकेट के लिए बड़ी बात है। यह दुनिया का सबसे बड़ा खेल बाजार है।''

उन्होंने कहा, ''टी20 विश्व कप के लिए हम जो ऊर्जा लाएंगे वह 2028 में एलए ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल करने की दिशा में एक बड़ा मौका बनायेगा।'' विश्व कप के दूत के तौर पर बोल्ट इस आयोजन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। जिसकी शुरुआत अगले सप्ताह दिग्गज कलाकार सीन पॉल और कीस के साथ कार्यक्रम के आधिकारिक गीत के रिलीज में एक 'कैमियो' के साथ होगी।'' आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ज्योफ एलार्डिस ने कहा, ''उसैन बोल्ट एक वैश्विक आइकन हैं, हम उन्हें टी20 विश्व कप के लिए राजदूत के रूप में शामिल करके रोमांचित हैं। क्रिकेट के प्रति उनका जुनून जगजाहिर है, जो उन्हें इस भूमिका के लिए बिल्कुल उपयुक्त बनाता है।

पालमपुर

अपने में समेटे है अनगिनत धरोहर

पालमपुर हिमाचल प्रदेश की मनोरम वादियों में बसा एक छोटा सा पर्वतीय स्थल है। हिमाचल प्रदेश की इस छोटी सी सैरगाह को धौलाधार पर्वतमाला के साये में फैली कांगड़ा घाटी का सुंदरतम स्थान कहा जाता है। समुद्र तल से 1205 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पालमपुर सर्दी हो या गर्मी, हर मौसम में सैलानियों को आकर्षित करता है। कहते हैं पालमपुर के नाम की उत्पत्ति स्थानीय बोली के 'पुलम' शब्द से हुई थी। जिसका अर्थ पर्याप्त जल होता है। वास्तव में इस क्षेत्र में जल की कोई कमी नही है। हर ओर जल के सोते, झरने या नदियां मौजूद हैं। शायद इसीलिए यहां की हवाओं में शीतलता के साथ नमी भी है। हवाओं की यह नमी और पहाड़ी ढलानों पर खुलकर पड़ती सूर्य की किरणों का मिला-जुला रूप यहां की जलवायु को एक विशिष्टता प्रदान करता है। एक ऐसी विशिष्टता जो चाय की खेती के अनुकूल है। इस क्षेत्र की यह खासियत भांप कर 1849 में डा. जमसन ने यहां पहली बार चाय की खेती की थी। कुछ दशकों में ही कांगड़ा घाटी की चाय विश्व प्रसिद्ध हो गई।

खूबसूरत नजारे

आज पालमपुर शहर बड़े-बड़े चाय बागानों के मध्य ही बसा है। यहां आने वाले पर्यटकों के लिए सबसे बड़ा आकर्षण ये हरे-भरे चाय के बागान हैं। पैदल घूमते हुए मार्ग के दोनों और दूर-दूर तक चाय के झाड़ीनुमा पौधे और उनमें पत्तियां चुनते लोग एक सुंदर दृश्य प्रस्तुत करते है। कमर पर लंबी टोकरी बांधे ये लोग अपने काम में व्यस्त रहते है। कुछ पर्यटक भी इन बागानों के मध्य घूमते पहुंच जाते है। जो अपने आप में अलग ही अनुभव होता है। पालमपुर में 'न्युगल खड' नामक स्थान एक पिकनिक स्पॉट के समान है। यह स्थान पहाड़ के छोर पर एक खड़ी चट्टान पर स्थित है। जहां से बादला जलधारा और धौलाधार की 15000 फुट से ऊंची पर्वत श्रंखलाओं का खूबसूरत नजारा दिखाई पड़ता है। इस स्थान से हर दिशा में प्राकृतिक सुषमा का साम्राज्य देखने को मिलता है। यहां पर्यटन विभाग का न्युगल कैफे भी है। दूर ही करीब 5 शताब्दी पुराना बांदला माता मंदिर और विंध्यवासिनी मंदिर भी दर्शनीय है। चाय बागानों के अतिरिक्त चीड़ व देवदार के जंगल भी पालमपुर की हरीतिमा में अपना योगदान देते हैं।

पालमपुर शहर का केंद्र सुभाष चौक है जिसके आसपास यहां का बाजार फैला है। जहां अनेक फास्ट फूड पार्लर और रेस्तरां हैं। पर्यटक चाहें तो कोआपरेटिव टी फैक्ट्री में चाय की प्रोसेसिंग का काम भी देख सकते हैं। यहां पहुंच कर चाय की महक और उसका स्वाद उन्हें चाय खरीदने को भी अवश्य आकर्षित कर लेगा। एक आदर्श पर्यटन स्थल के रूप में पालमपुर की प्रसिद्धि का एक और बड़ा कारण है।

दरअसल इस स्थान को आधार बनाकर सैलानी हिमाचल प्रदेश कि सुप्रसिद्ध कांगड़ा घाटी के अनेक दर्शनीय स्थल सरलता से देख सकते हैं। इसके लिए पहले सैलानी कांगड़ा घाटी रेलवे की टॉय ट्रेन का मनमोहक सफर तय कर पालमपुर पहुंचते हैं। जिसके आसपास विभिन्न दिशाओं में कई महत्वपूर्ण स्थल थोड़ी-थोड़ी दूर स्थित हैं। जहां बस या टैक्सी द्वारा जाना आसान है। 13 कि.मी. दूर स्थित आंद्रेटा ऐसा ही एक स्थान है। यह स्थान कलाप्रेमियों का तीर्थ कहा जाता है। यह स्थान ग्रामीण व पंजाबी थियेटर को समर्पित नोरा रिचर्ड की स्मृतियों से जुड़ा है। वह गांधी जी की शिष्या भी थीं। उनके अलावा आंद्रेटा का संबंध प्रसिद्ध चित्रकार पद्मश्री सोबा सिंह व बीसी सान्याल से भी है।

यहां सोबा सिंह की छोटी सी कला दीर्घा है। जहां उनके बहुत से चित्रों में सोहनी-महिवाल, हीर रांझा व कांगड़ा दुल्हन जैसे प्रसिद्ध चित्र भी प्रदर्शित हैं। प्रसिद्ध ऐतिहासिक बैजनाथ मंदिर पालमपुर से मात्र 18 कि.मी. दूर है। लगभग 1200 वर्ष प्राचीन यह मंदिर वास्तुशिल्प व पुरातत्व की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। मंदिर के गर्भगृह में स्थापित शिवलिंग की गिनती 12 ज्योतिर्लिंगों में होती है। मंदिर के आसपास सुंदर उद्यान है। जहां से पर्वतशिखरों पर मंडराते बादलों का दृश्य पर्यटकों को प्रभावित करता है। शिवरात्रि पर यहां एक विशाल मेला लगता है।

चामुण्डा देवी मंदिर

पालमपुर से लगभग 17 कि.मी. दूर एक और धार्मिक स्थल चामुण्डा देवी मंदिर है। यह स्थान चामुण्डा- नंदिकेश्वर धाम' के रूप में भी जाना जाता है। बाण गंगा के तट पर स्थित यह धाम एक उग्र सिद्ध पीठ है। मां काली ने जिस रूप में यहां चण्ड-मुण्ड राक्षसों का वध किया था। उस रूप को यहां चामुण्डा देवी के रूप में पूजा गया। नवरात्रों के मौके पर यहां भक्तों की अपार भीड़ होती है। चामुण्डा से मात्र 18 कि.मी. दूर प्रसिद्ध पर्यटन स्थल धर्मशाला है। पालमपुर से कांगड़ा का वज्रेश्वरी देवी मंदिर और ज्वाला जी का ज्वालामुखी मंदिर भी पालमपुर से अधिक दूर नहीं हैं।

वज्रेश्वरी देवी को नगरकोट कांगड़े वाली माता भी कहा जाता है। वहीं ज्वालामुखी मंदिर देवी के 51 शक्तिपीठों में से एक होने के कारण प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है। मान्यता है कि इस स्थान पर सती की जिह्वा गिरी थी। यहां चट्टान की दरारों से निरंतर एक ज्वाला प्राकृतिक रूप से निकलती रहती है। नीले रंग की यह ज्वाला ही देवी का रूप मानी जाती है। मंदिर में देवी की प्रतिमा भी विद्यमान है। ज्वाला जी मंदिर का स्वर्ण से मढ़ा गुंबद अत्यंत भव्य है। कृपालेश्वर मंदिर, वीर भद्र मंदिर, कुरुक्षेत्र कुण्ड व गुप्तगंगा कांगड़ा के अन्य दर्शनीय स्थल हैं।

कांगड़ा घाटी के बीड़ व बिलिंग स्थान साहसिक खेलों से जुड़े हैं। ये स्थान पालमपुर से मात्र एक-डेढ़ घंटे की दूरी पर स्थित है। इनकी गिनती देश के महत्वपूर्ण पैराग्लाइडिंग केंद्रों के रूप में होती है। इनके अलावा पालमपुर से कुछ चुने हुए ट्रैकिंग मार्ग भी विभिन्न दिशाओं की ओर जाते हैं जिन पर प्रकृति का वैभव ट्रैकिंग के शौकीन लोगों की प्रतीक्षा करता है। पालमपुर से कुछ दूर गोपालपुर वन्यप्राणी उद्यान है। चामुण्डा मंदिर की ओर जाते हुए यह उद्यान भी देखा जा सकता है।

पालमपुर

हिमाचल प्रदेश की कांगड़ा घाटी के प्रमुख स्थलों की सैर करने के लिए पालमपुर एक उपयुक्त आधार स्थल है। मानसून को छोड़ कर आप यहां हर मौसम में जा सकते हैं। पालमपुर का निकटतम ब्रॉडगेज रेलवे स्टेशन पठानकोट है। जहां से छोटी लाइन की टॉय ट्रेन द्वारा सैलानी पालमपुर पहुंच सकते हैं। पालमपुर स्टेशन से शहर करीब तीन किलोमीटर दूर है। स्टेशन से टैक्सी द्वारा शहर तक पहुंच सकते हैं। बस मार्ग द्वारा पालमपुर मंडी, चंडीगढ़, धर्मशाला, शिमला व दिल्ली से जुड़ा है। अमृतसर व चंडीगढ़ के हवाईअड्डे यहां के निकटतम हवाई अड्डे हैं।

कांगड़ा क्वीन के सफर का आनंद

हिमाचल प्रदेश की कांगड़ा घाटी के प्राकृतिक सौंदर्य को करीब से देखने के उद्देश्य से इस मार्ग पर चलने वाली विशेष रेलगाड़ी कांगड़ा क्वीन के सफर का आनंद उठाना उपयुक्त है। यह देश के उन कुछ रास्तों में से एक है जिनपर अब भी छोटी लाइन की गाड़ियों का आनंद लिया जा सकता है। घुमावदार पहाड़ी रास्तों से गुजरने वाली इस ट्रेन की खिड़की से प्रकृति के अनेक रूप देखने को मिलते हैं। पठानकोट से पालमपुर तक चलने वाली यह टाय ट्रेन पर्यटकों के लिए खासतौर पर शताब्दी शैली में चलाई जाती है। सुबह सवा आठ बजे पठानकोट से प्रस्थान कर यह ट्रेन दोपहर एक बजे के लगभग पालमपुर पहुंचती है।

यूं तो मार्ग में अनेक स्टेशन है। किंतु यह ट्रेन केवल कांगड़ा व ज्वालामुखी रोड स्टेशन पर ही रुकती है। पहाड़ों पर खिले रंग-बिरंगे जंगली फूल, दूर तक दिखते धान के खेत, स्लेट पत्थर की छत वाले घर और घाटी के स्थानीय सीधे-सादे लोग टॉय ट्रेन से दिखने वाले दृश्यों में विविध रंग भरते है। मार्ग का आकर्षण ट्रेन गुजरती है तो यात्री बरबस अलावा पहाड़ी नदियों पर बने गोलाकार मोड़ भी सैलानियों को में कांगड़ा घाटी रेलवे का यह सफर बन जाता है

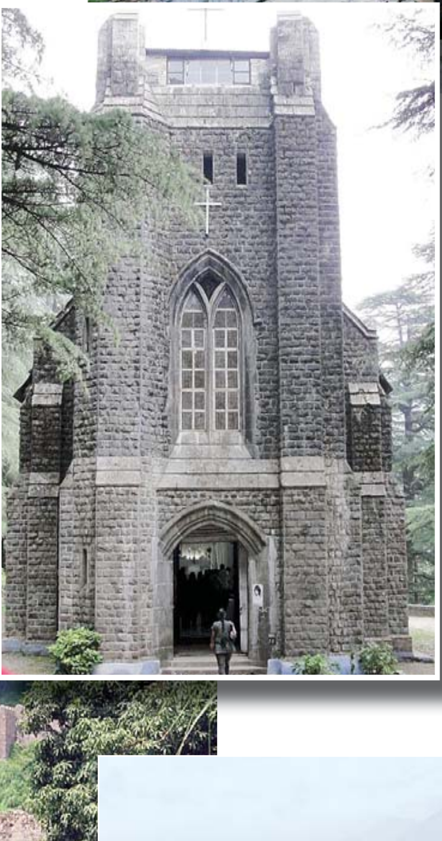

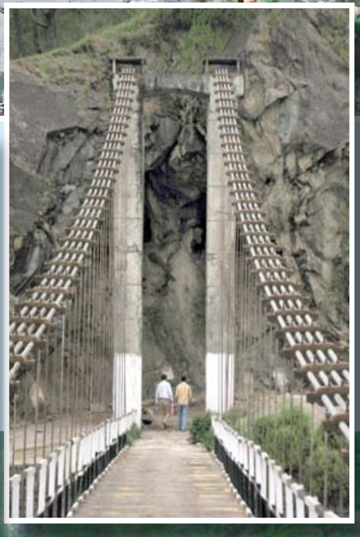

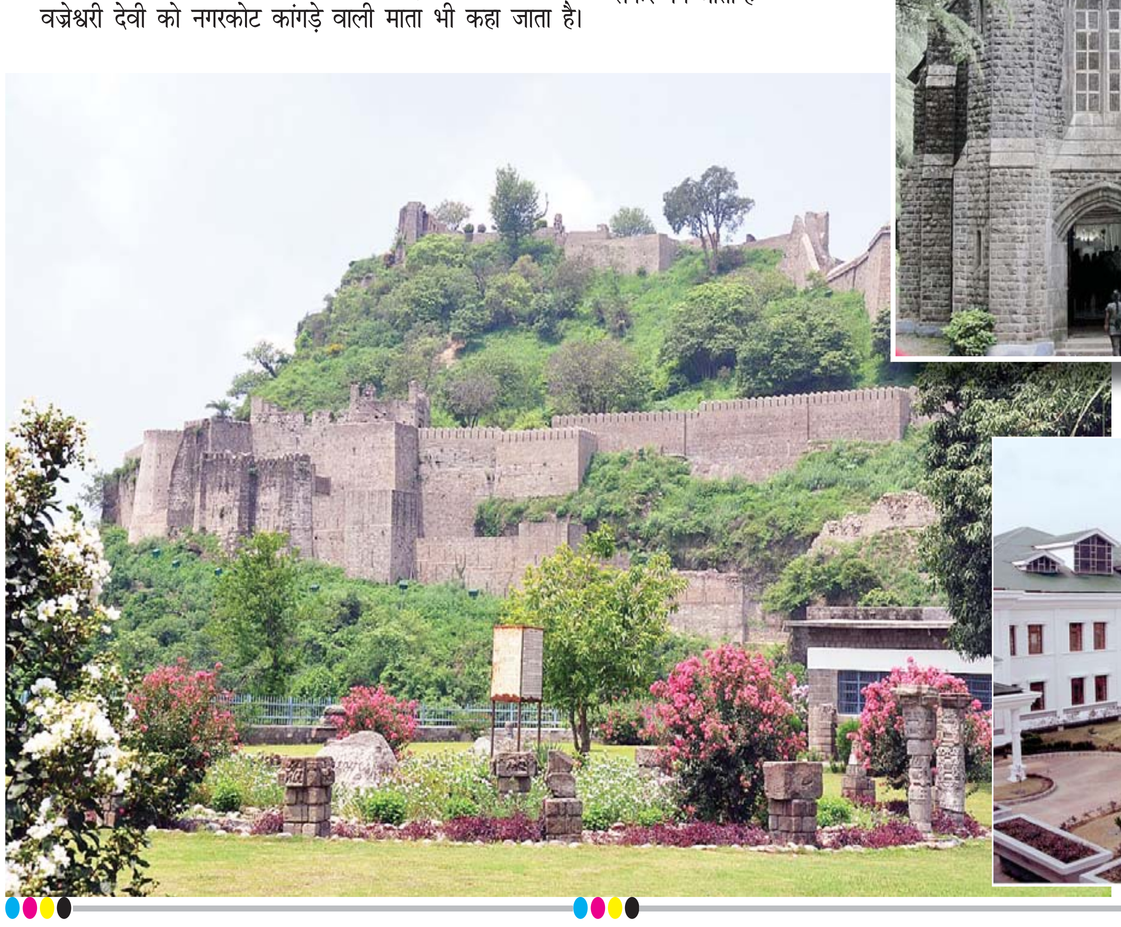

कांग्रेस के पित्रोदा ने कहा- अमेरिका में 55 फीसदी संपत्ति सरकार की हो जाती है

वॉशिंगटन। भाजपा और कांग्रेस के बीच चल रही चुनावी जंग अब और तेज हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित भाजपा के तमाम बड़े दिग्गज नेताओं का आरोप है कि कांग्रेस आम जनता की संपत्ति अपने कब्जे में लेकर उसका बंटवारा कर देगी। इन आरोपों पर कांग्रेस ने, न केवल सफाई दी बल्कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने तो खुली बहस की चुनौती दे दी। विवाद थमता इससे पहले अमेरिका में रह रहे ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन सैम पित्रोदा ने आग में

घी का काम कर दिया। उन्होंने अमेरिका का उदाहरण देते हुए कहा कि यहां तो किसी के पास 100 मिलियन डॉलर की संपत्ति है और वह मर जाता है तो उसकी 45 फीसदी संपदा ही बच्चों को मिलती है। इसके अलावा बाकी 55 फीसदी संपत्ति सरकार के पास चली जाती है।बता दें कि राहुल गांधी ने पिछले दिनों देश में संस्थागत और आर्थिक सर्वे कराने और संपत्ति के पुनर्वितरण की बात कही थी। इसे लेकर पीएम नरेंद्र मोदी ने तीखा हमला बोला था और कहा था कि कांग्रेस देश के लोगों की संपत्ति लूटना चाहती है। इस पर कांग्रेस के नेता सैम पित्रोदा का बयान नया बवाल खड़ा कर सकता है। सैम पित्रोदा ने अमेरिकी कानून की बात करते हुए कहा, यह कानून कहता है कि आपने दौलत बनाई और उसका उपभोग किया। अब आप उसे छोड़कर जाएं तो उसका पूरा हिस्सा बच्चों को ही न मिले, कुछ देश को भी मिले। यह अच्छा कानून लगता है। भारत में ऐसा नहीं है। यदि किसी के पास 10 अरब की दौलत है और उसकी मौत हो जाती है तो उसके बच्चों को पूरी संपदा मिलती है, पब्लिक के हाथ कुछ नहीं आता। ये ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर लोगों को डिबेट और चर्चा करनी चाहिए। मैं नहीं जानता कि इसका परिणाम क्या होगा, लेकिन जब हम संपदा के पुनर्वितरण की बात करते हैं तो हम नई नीतियों की बात कर रहे हैं। ऐसी योजनाओं की बात कर रहे हैं, जो जनता के हित में हैं। हम ऐसी स्कीमों की बात नहीं करते, जो सिर्फ देश के सुपर अमीरों के लिए ही हों।

लॉटरी का जैकपॉट जीतकर महिला ने कमाए करोडों रुपए, -लॉटरी में खुला 4 करोड़ 23 लाख रुपए का ईनाम

लंदन। इंग्लैंड में एसेक्स के की रहने वाली लेयला ईटन ने लॉटरी का जैकपॉट जीतकर करोड़ों-अरबों रुपए कमा लिए और कुछ समय में उसके पास बेशुमार दौलत आ गई। इस बारे में ने बताया कि जब मुझे लॉटरी में 410,000 पाउंड (4 करोड़ 23 लाख रुपए) का जैकपॉट मिला तो मैंने अपने जानने वालों को इसके बारे में बताया। लेकिन उन्हें मेरी बातों पर भरोसा नहीं था। इतना ही नहीं, जब मैंने ये बात अपने पति को बताई तो वो भी इसे सच नहीं मान रहा था। लेयला ने कहा कि मुझे अचानक आवाज आई कि मुझे इस जैकपॉट के लिए साइन अप करना चाहिए। ऐसे में मैंने दिल की बात सुनी और साइनअप कर लिया। 2 महीने बाद जब रिजल्ट आया तो मेरी किस्मत चमक गई। लेयला ने बताया कि ये जैकपॉट मेरे लिए बहुत जरूरी है, क्योंकि मेरे पति का हार्निया की सर्जरी होने वाली है। 33 साल की लेयला के मुताबिक, जब मुझे इस लॉटरी के जैकपॉट जीतने के बारे में पता चला तो मैंने तुरंत अपने पति को फोन मिलाया। उसे सारी बातें बता दी, लेकिन उसे भरोसा नहीं हुआ। लेयला के पति ने कहा, 'जब तक मैं अपनी आंखों से नहीं देख लेता, तब तक मैं इसे सच नहीं मानूंगा। मैं कभी इसके बारे में सोच नहीं सकता कि ऐसा हो सकता है। मेरा दिमाग इसे मानने को तैयार नहीं।' हालांकि, बाद में वो मान गया। लेयला ने बताया कि यह जैकपॉट बहुत जरूरी समय पर मिला है। हमारे लिए पिछले 12 महीने काफी कठिन रहे हैं। मेरे पति काफी अस्वस्थ हैं और उन्हें कुछ सर्जरी की जरूरत है। वो काफी मेहनती हैं। अस्वस्थ होने के बावजूद काम पर सिर्फ इसलिए जाते हैं, ताकि हमारी जिंदगी अच्छे से गुजर सके। लेयला ने कहा कि अचानक दिमाग में आए विचार की वजह से मैंने पोस्टकोड लॉटरी में साइन अप किया और 2 महीने बाद मेरी किस्मत में खुशियां आ गईं। लेयला ने कहा कि अब मैं 2 महीने के लिए न्यूयॉर्क छुट्टियां मनाने का प्लान कर रही हूं। साथ ही हमने परिवार के साथ काफी समय से कोई छुट्टियां नहीं बिताई। ऐसे में मैं फैमिली ट्रिप पर टर्की भी जाना चाहती हूं।

सुनीता विलियम्स तीसरी अंतरिक्ष यात्रा के लिए तैयार

-6 मई को बोइंग के कैप्सूल से स्पेस में जाएंगी ; कोरोना के चलते टला था मिशन

न्यूयार्क। भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स 6 मई को अपनी तीसरी अंतरिक्ष यात्रा पर जाएंगी। वो बोइंग के स्टारलाइनर कैलिप्सो मिशन का हिस्सा होंगी। अमेरिका स्पेस एजेंसी नासा के मुताबिक, मिशन के लिए 2 सीनियर साइंटिस्ट बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स को चुना गया है। फिलहाल सुनीता बोइंग के स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट पर क्रू फ्लाइट टेस्ट मिशन के पायलट की ट्रेनिंग ले रही है। बोइंग के स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट को 6 मई को रात 10 बजकर 34 मिनट पर एलायंस एटलस वी रॉकेट पर लॉन्च किया जाएगा। इस मिशन के लिए नासा की मदद ली गई है।

दो हफ्ते तक आईएसएस में रहेंगे

अमेरिका स्पेस एजेंसी गुरूवार को स्पेसक्राफ्ट के बारे में पूरी जानकारी साझा करेगी। स्पेस एजेंसी के मुताबिक, स्पेसक्राफ्ट को फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन के स्पेस लॉन्च कॉम्प्लेक्स-41 से लॉन्च किया जाएगा। दोनों यात्री दो हफ्ते तक इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) में रहेंगे। इसके लिए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। दरअसल, पहले यह स्पेसक्राफ्ट जुलाई 2022 में रवाना होने वाला था, लेकिन कोरोना महामारी के चलते इसे एक साल के लिए टाल दिया गया था।

तानाशाह किम जोंग की मौजूदगी में न्यूक्लियर ड्रिल, मचा हड़कम्प

पियांग। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने अपनी मिसाइल सनक से पूरी दुनिया में हड़कंप मचा दिया है। उत्तर कोरिया ने कुछ तस्वीरों जारी कि है जिसमें तानाशाह किम जोंग की मौजूदगी में न्यूक्लियर ड्रिल को अंजाम दिया जा रहा है। इस न्यूक्लियर ट्रिगर मैनेजमेंट सिस्टम की ड्रिल में एक के बाद एक चार रॉकेट दागे गए जो 351 किलोमीटर आइलैंड पर जाकर गिरे। सुपरलार्ज मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर ने भारी गोलीबारी की और नकली परमाणु हथियारों से लैस प्रोजेक्टाइल पर सटीक निशाना भी साधा। एक रिपोर्ट के अनुसार किम जोंग ने अपने दुश्मनों को चेतावनी देने के लिए न्यूक्लियर ट्रिगर मैनेजमेंट सिस्टम की ड्रिल की है। उत्तर कोरिया की ओर से जारी तस्वीरों में दिखाया गया है कि किम जोंग की मौजूदगी में इस ड्रिल को अंजाम दिया गया। इस ड्रिल के बाद किम जोंग उन ने कहा कि रॉकेट लॉन्चर स्नाइपर्स की तरह सटीक थे और युद्ध रोकने के साथ दुश्मन पर हमला करने में उत्तर कोरिया पूरी तरह सक्षम है।

वहीं दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टॉफ ने की न्यूक्लियर ट्रिगर मैनेजमेंट सिस्टम की ड्रिल को दक्षिण कोरिया के लिए खतरा बताया। दक्षिण कोरियाई सेना ने कहा कि उसे इस बात के सबूत मिले हैं कि उत्तर कोरिया अपने दूसरे जासूसी उपग्रह प्रक्षेपण की तैयारी में जुटा है, लेकिन ऐसे कोई संकेत नहीं हैं कि प्रक्षेपण होने वाला है।

ओटावा के शॉ सेंटर वेन्यू में प्लास्टिक करार के दौरान प्लास्टिक बोटलों के ऊपर एक प्रोप को नल की तरह से लगाया गया।

कोलंबिया यूनिवर्सिटी में विरोध के चलते अब ऑनलाइन लगेंगी क्लास

वाशिंगटन। अमेरिका के अनेक हिस्सों में इजराइल-हमास के बीच जारी युद्ध के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। पिछले हफ्ते 'न्यूयॉर्क आइवी लीग' के छात्रों ने इजराइल के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन किया था, जो मंगलवार तक एक बड़े आंदोलन में बदल गया। कोलंबिया विश्वविद्यालय के मैनहट्टन परिसर में प्रदर्शन कर रहे 100 से अधिक छात्रों को गिरफ्तार किये जाने से ये प्रदर्शन और तेज हो गया। पुलिस ने कई स्थानों से प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया है। कोलंबिया में तनाव बढ़ता देख विश्वविद्यालय ने बचे हुए सेमेस्टर के लिए ऑनलाइन क्लास आयोजित करने का फैसला लिया है। गाजा में युद्ध से निपटने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के खिलाफ छात्रों ने प्रदर्शन तेज कर दिया। ऐसे में कोलंबिया विश्वविद्यालय ने घोषणा की है कि वह ऑनलाइन कक्षाएं आयोजित करेगा। मीडिया रिपोर्ट्स से पता चला है कि कई छात्रों के माता-पिता ट्यूशन फीस वापस करने की भी मांग कर रहे हैं। एक आधिकारिक बयान में कोलंबिया विश्वविद्यालय के अध्यक्ष ने कहा कि कई समुदायों के छात्रों डरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि हमने सुरक्षा चिंताओं को दूर करने के लिए कार्रवाई की घोषणा की है। गाजा में विनाशकारी मानवीय परिणामों वाला एक भयानक संघर्ष चल रहा है। पुलिस ने बताया कि सोमवार को न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय के पास प्रदर्शन कर रहे 133 लोगों को गिरफ्तार किया गया था, लेकिन बाद में उन्हें छोड़ दिया गया था और अदालत में पेश होने के लिए समन जारी किया था। न्यूयॉर्क शहर के महापौर एरिक एडम्स ने बताया कि इस सप्ताह विरोध-प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने पुलिस अधिकारियों पर बोतलों और अन्य वस्तुओं से हमला किया। कनेक्टिकट में स्थित येल विश्वविद्यालय में छात्रों ने प्रदर्शन रोकने से इनकार कर दिया, जिसके बाद पुलिस ने 47 छात्रों सहित 60 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया।

इजरायल को डर उसका खास दोस्त ही उसके लिए खतरा पैदा कर रहा

तेलअवीव (एजेंसी)। अमेरिका मध्य पूर्व में इजरायल का सबसे मजबूत सहयोगी है, लेकिन वाशिंगटन ने तेल अवीव को तनाव में ला दिया है। दरअसल अमेरिकी सुरक्षा और राजनयिक स्रोतों से हाल के दिनों में जिस तरह से लीक सामने आए हैं, इन घटनाओं ने इजरायल की सुरक्षा चिंताओं को बढ़ा दिया है। खासकर जब वे इजरायल और ईरान से जुड़े हैं। इजरायल में रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि सुरक्षा और राजनयिक स्थिरता को बढ़ावा देने के बजाय ये लीक चिंता, दबाव और अराजकता पैदा कर रहे हैं।

दरअसल इजरायल अपनी रक्षा के लिए एक खास रणनीति पर काम करता रहा है, आंख के बदले आंख और दांत के बदले दांत। इजरायल विरोधियों पर हमला करके उन्हें तबाह करता है, लेकिन साथ ही वह कभी भी सार्वजनिक रूप से इन हमलों की जिम्मेदारी नहीं लेता है। मध्य पूर्व के तनावपूर्ण क्षेत्र में यह संतुलन बेहद जरूरी है। इजरायल ने किसी हमले की सार्वजनिक जिम्मेदारी लेने से परहेज किया, फिर चाहे वह दमिश्क में ईरानी दूतावास पर हमला या फिर ईरान के हमले के जवाब में एस्फहान शहर को निशाना बनाना हो।

लेकिन पेंटागन ने ईरान पर हमले की जानकारी अमेरिका मीडिया को लीक की। इजरायल के सूत्रों के हवाले से बताया है कि तेल अवीव में इस बात को लेकर निराशा है कि आखिर पेंटागन ने मामले में चुप्पी रखने के बजाय अमेरिकी मीडिया को जानकारी लीक

क्यों कर दी। इजरायली सूत्रों का मानना है कि ऐसा करके अमेरिकी पक्ष ने अनावश्यक तनाव और कूटनीतिक जटिलताओं को बढ़ाया है।

इजरायल में अमेरिका के इस जानकारी को सार्वजनिक करने को लेकर व्यापक चिंता है। इजरायल ने 24 से 48 घंटे पहले अमेरिका को हमले के बारे में सूचना दी थी। इजरायली सूत्रों का मानना है कि इस जानकारी को लेकर अमेरिकी अधिकारियों को संयम बरतना चाहिए था, लेकिन इस जानकारी को लीक कर तनाव और भय का माहौल बनाया गया।

इजरायल का मानना है कि पहले से तनाव भरे माहौल में लगातार हो रहे लीक से फायदे के बजाय नुकसान अधिक हो सकता है। ये लीक इजरायल की रणनीति को कमजोर करते हैं और ईरान को भड़काते हैं, जो क्षेत्र में व्यापक संघर्ष को बढ़ा सकते हैं। इन लीक का प्रभाव इजरायल और ईरान से बाहर भी होगा।

जिनपिंग ने दिया देश की सेना के पुनर्गठन का आदेश

-युद्ध के लिए बनाई स्पेशल फोर्स

बीजिंग (एजेंसी)। राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने देश की सेना के पुनर्गठन का आदेश दिया है। नए बदलावों के तहत जिनपिंग ने स्ट्रैटेजिक सपोर्ट फोर्स (रणनीतिक सहायता बल) को समाप्त करने का आदेश दिया है। यह 2015 के बाद पीपल्स लिबरेशन आर्मी में सबसे बड़ा बदलाव होगाफइस बल को 8 साल पहले बनाया गया था और इसका उद्देश्य अंतरिक्ष, साइबर, राजनीतिक और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध में क्षमताओं को बढ़ाना था।

नए बदलाव साफबताते हैं कि चीन के आका जिनपिंग सेना को आधुनिक युद्ध की परिस्थितियों को लिए तैयार करने में जुटे हुए हैं, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक वार की प्रमुख भूमिका होगी। रिपोर्ट के अनुसार, रणनीतिक सहायता बल की जगह जिनपिंग सूचना सहायता बल (इनफॉर्मेशन सपोर्ट फोर्स) नाम से एक नई फोर्स बनाई है। चीनी रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, एयरोस्पेस और साइबर यूनिट पहले रणनीतिक सहायता बल के अधीन थीं। अब संगठनात्मक रूप से नव निर्मित इनफॉर्मेशन सपोर्ट फोर्स के समानांतर होंगी। नए बदलावों को शी जिनपिंग ने खास बताते हुए कहा कि नई सेना साइबर इनफॉर्मेशन सिस्टम के निर्माण और उपयोग के समन्वय में महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करेगी। नए बदलावों में भी सेना पर चीन की कम्युनिस्ट पार्टी का नियंत्रण पहले की तरह ही बना हुआ है। ली वेई को नए बने इनफॉर्मेशन सपोर्ट फोर्स का राजनीतिक कमिश्नर बनाया गया है। इसके पहले वे समाप्त हो चुके रणनीतिक सहायता बल के लिए यही भूमिका निभा रहे थे। चीन के सरकारी टेलीविजन सीसीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, बी यी को इनफॉर्मेशन सपोर्ट फोर्स का नया कमांडर नियुक्त किया गया है। पीएलए की नेवल रिसर्च एकेडमी के एक वरिष्ठ और रिटायर्ड शोधकर्ता काओ वेदांग के हवाले से बताया है कि पुनर्गठन से उपग्रह प्रणालियों और साइबरस्पेस की बेहतर तैनाती होगी, साथ ही इलेक्ट्रॉनिक युद्ध का संचालन भी होगा। चीन की स्ट्रैटेजिक सपोर्ट फोर्स के पिछले कमांडर जू कियानशेंग पिछले साल अचानक लापता हो गए थे। तब ये कहा गया था कि वे चीनी मिलिट्री नेतृत्व में बड़ी उथल-पुथल का शिकार हुए हैं। वे एक बार फिर से सामने आ गए हैं। हालांकि, उनकी वर्तमान स्थिति स्पष्ट नहीं है।जिनपिंग सेना का पुनर्गठन ऐसे समय में कर रहे हैं जब दुनिया में वैश्विक प्रभुत्व की लड़ाई में चीन और अमेरिका आमने-सामने हैं।

भारत और आर्मेनिया की दोस्ती देख भड़का अजरबैजान, दी धमकी

- आर्मेनिया को हथियारों की सप्लाई की तो हम चुपचाप नहीं बैठेंगे

बाकू (एजेंसी)। आर्मेनिया-भारत एक दूसरे करीब आ रहे हैं क्योंकि भारत आर्मेनिया को हथियारों की सप्लाई कर रहा है। इस बढ़ती दोस्ती को देखकर आर्मेनिया का कट्टर दुश्मन अजरबैजान बौखलागया है। अजरबैजान पाकिस्तान का अचछा दोस्त है, वह कश्मीर के मुद्दे पर उसका साथ देता रहा है। अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव ने कहा कि फ्रांस, भारत और ग्रीस की ओर से आर्मेनिया को हथियार दिए जा रहे हैं जो अजरबैजान के खिलाफ है। अजरबैजान के राष्ट्रपति अलीयेव ने कहा कि जब फ्रांस, भारत और ग्रीस आर्मेनिया को हमारे खिलाफ हथियारों की सप्लाई करेंगे तो हम चुपचाप नहीं बैठ सकते। उन्होंने कहा कि ऐसा करके वह हमें साबित करने की कोशिश कर रहे हैं। हम इसे खामोश रहकर नहीं देख सकते। आर्मेनिया और भारत के संबंध पिछले कुछ सालों में मजबूत की ओर बढ़े हैं। आर्मेनिया ने हाल ही में भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने की इच्छा जताई थी। आर्मेनिया के श्रम मंत्री ने एक साक्षात्कार में कहा था कि मुझे लगता है कि भारत के साथ हमारे संबंध इतने परिपक्व हैं कि इन्हें रणनीतिक साझेदारी के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। पिछले साल एक रिपोर्ट में कहा गया था कि फ्रांस भी आर्मेनिया को हथियार सप्लाई करेगा। इस पर अजरबैजान के राष्ट्रपति ने कहा था कि आर्मेनिया को सैन्य सहायता भेजने का उसका निर्णय दक्षिण काकेशस में हिंसक शत्रुता को बढ़ावा दे सकता है। एक बार फिर अजरबैजान के राष्ट्रपति अलीयेव ने धमकी दी है। उन्होंने आर्मेनियाई सरकार और उसकी मदद कर रहे पक्षों को साफ शब्दों में कहा है कि अगर हमें अपने लिए कोई गंभीर खतरा दिखता है तो हम सख्त कदम उठाएंगे। भारत के अजरबैजान और आर्मेनिया दोनों के साथ राजनयिक संबंध हैं। मध्य एशिया और ईरान के रास्ते रूस और यूरोप तक जाने के लिए यह भौगोलिक रूप से महत्वपूर्ण हैं।

पुतिन की सेना को मिलेगा नया ब्रह्मास्त्र... एस-500 का परीक्षण हुआ सफल

मास्को (एजेंसी)। यूक्रेन युद्ध के बीच रूस की सेना को नया ब्रह्मास्त्र मिलने वाला है। रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगू ने इसकी पुष्टि की है कि रूसी एयर डिफेंस फोर्सेस को एस-500 एयर और मिसाइल डिफेंस इस साल मिलेगा है। उन्होंने बताया कि इस सिस्टम में दो नए बदलाव भी किए गए हैं। शोइगू ने बताया कि यह अत्याधुनिक सिस्टम दो रूप में उपलब्ध होगा। पहला- बलिस्टिक मिसाइल डिफेंस सिस्टम और दूसरा- ज्यादा लंबी दूरी तक फाइटर जेट को मार गिराने वाले मिसाइल सिस्टम के रूप में दिया जाएगा। रूसी एस-500 मिसाइल सिस्टम को सबसे पहले साल 2015 में पेश किया गया था। इसके बाद से लगातार इसे डिजाइन किया जा रहा था और साल 2021 में इस ग्रीक देवता के नाम पर प्रोमेथस या गॉड ऑफ फायर नाम दिया गया था।

साल 2021 के मई महीने में पुतिन ने इस बात की पुष्टि की थी कि एस-500 का टेस्ट किया गया है और यह सफल रहा है। हाल ही में रूसी सेना के हवाले से कहा गया था कि इस मिसाइल सिस्टम का बड़े पैमाने पर टेस्ट किया है। इस टेस्ट में रूसी सिस्टम ने हाइपरसोनिक मिसाइल को मार गिराने में अपनी काबिलियत का प्रदर्शन किया। इसके अलावा मिसाइल ने एक परमाणु सबमरीन से दागी गई क्रूज मिसाइल को भी मार गिराया था।

एस-500 को रोड-मोबाइल एयर एंड मिसाइल

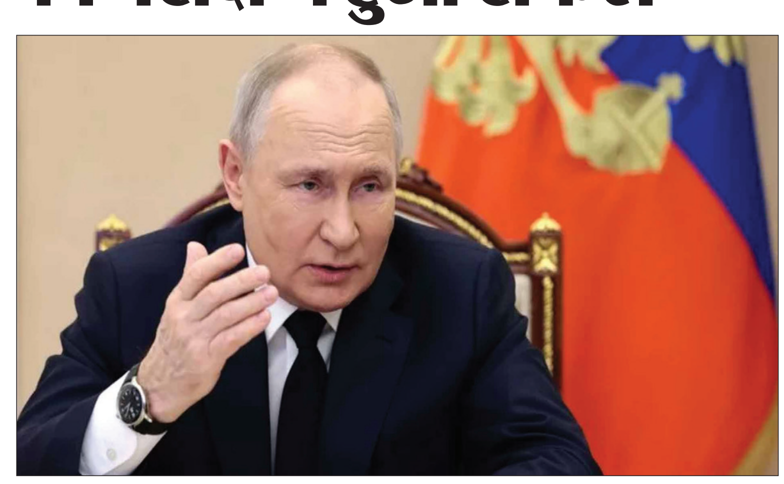

डिफेंस सिस्टम माना जाता है जिसे रूस की कंपनी अलमाज एंटे ने बनाया है। इस सिस्टम की रेंज 600 किमी तक है। यह सिस्टम 800 किमी की दूरी से ही लक्ष्यों की पहचान कर लेता है। एस-500 सिस्टम एक साथ 10 सुपरसोनिक मिसाइलों को एक के बाद एक निशाना बनाने में सक्षम है। यह एयर डिफेस सिस्टम हाइपरसोनिक या मैक 10 की स्पीड से उड़ रही मिसाइलों को भी मार गिराने में सक्षम है। एस-500 की इतनी ज्यादा रेंज है कि वह दुश्मन की मिसाइलों, स्पेसक्राफ्ट और अंतरिक्ष में निचली कक्षा में चक्कर काट रहे हथियारों को भी तबाह करने में सक्षम हैं।

इस अत्याधुनिक सिस्टम में मिसाइल के अंदर ही रेडार भी लगा होता है। एस 500 को एस-400, एस-300 और अन्य प्लेटफार्म के साथ एक सिंगल एयर एंड मिसाइल डिफेंस नेटवर्क में शामिल किया जा सकता है। लॉन्चर्स के अलावा एस-500 में एक कमांड पोस्ट व्हीकल, लक्ष्य की पहचान करने वाले रेडार, कई और अन्य रेडार भी शामिल होते हैं।

पहली बार पाकिस्तान ने माना.....रावी के पानी पर पूरा अधिकार भारत का

- जल संधि के तहत हम अंतरराष्ट्रीय न्यायालय नहीं जा सकते

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के संघीय कानून मंत्री आजम नजीर तरार ने स्वीकार किया हैं, कि भारत को एक संधि के तहत रावी नदी के पानी पर पूरा अधिकार है। उन्होंने कहा कि यह संधि पाकिस्तान को कानूनी रूप से बाध्य करती है, कि वह पड़ोसी देश की जल आक्रामकता के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) में न जाए। पाकिस्तान के मंत्री तरार ने नेशनल असेंबली (पाकिस्तानी संसद) में भारत के कार्यों पर चर्चा के लिए प्रस्तुत एक ध्यानाकर्षण नोटिस की कार्यवाही के दौरान कहा, पाकिस्तान और भारत के बीच एक जल संधि है। रावी नदी पर पानी का अधिकार भारत का है, हम इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकते।

उन्होंने कहा, इस मुद्दे पर भारत के खिलाफ आईसीजे का सहारा नहीं लिया जा सकता। दोनों देशों के बीच 1960 में हस्ताक्षरित सिंधु जल संधि के तहत भारत रावी, सतलज और ब्यास नदियों के पानी पर दावा करता है। संसद के निचले सदन में नोटिस पेश करने वाले पीटीआई एमएनए जरताज गुल ने तरार पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि बुधवार को कानून मंत्री ने रावी नदी पर भारत का अधिकार स्वीकार कर लिया है, जो खेदजनक है। गुल को जवाब देकर कानून मंत्री ने कहा कि कानूनी मुद्दों का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए।

कानून मंत्री ने कहा, इस (सिंधु जल संधि) पर दोनों देशों ने 1960 में हस्ताक्षर किए थे, हालांकि, भारत इससे बाहर निकलना चाहता है, लेकिन आईसीजे ने भारत को बाहर निकलने से रोक दिया है। उन्होंने कहा कि हालांकि पाकिस्तान किशनगंगा पनबिजली परियोजना के मुद्दे पर सफल हुआ। भारत ने शाहपुर कंडी बैराज के पूरा होने के साथ रावी नदी से पाकिस्तान की ओर पानी का प्रवाह रोक दिया है। शाहपुर कंडी बैराज पंजाब और जम्मू-कश्मीर की सीमा पर स्थित है। रिपोर्ट के अनुसार, रावी से जम्मू और कश्मीर को अब 1,150 क्यूसेक पानी मिलेगा जो पहले पाकिस्तान को आवंटित किया गया था। इस पानी का उपयोग कठुआ और सांबा जिलों में 32,000 हेक्टेयर से अधिक भूमि की सिंचाई

के लिए किया जाएगा। सिंचाई और जलविद्युत उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण शाहपुर कंडी बैराज परियोजना को पिछले तीन दशकों में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। हालांकि, अब यह पूरा होने वाला है।

वीवीपैट वेरिफिकेशन पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा, कहा-चुनाव कंट्रोल नहीं कर सकते; डेटा के लिए चुनाव आयोग पर भरोसा करना होगा

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के वोटों और वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपैट) पर्चियों की 100 प्रतिशता क्रॉस-चेकिंग की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को फैसला सुरक्षित रख लिया। इस सुनवाई के बाद जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दत्ता की पीठ ने कहा कि हम चुनावों को कंट्रोल नहीं कर सकते, हम किसी अन्य संवैधानिक प्राधिकरण के कामकाज को नियंत्रित नहीं कर सकते। ईसीआई ने संदेह दूर कर दिया है। हम आपकी विचार प्रक्रिया को नहीं बदल सकते, हम ये नहीं कर सकते कि सिर्फ संदेह के आधार पर सुप्रीम ऑर्डर जारी कर दें। जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा कि हम मेरिट पर दोबारा सुनवाई नहीं कर रहे हैं। हम कुछ निश्चित स्पष्टीकरण चाहते हैं। हमारे कुछ सवाल थे और हमें जवाब मिल गए। फैसला सुरक्षित रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि डेटा के लिए चुनाव आयोग पर भरोसा करना होगा। जस्टिस खन्ना ने कहा कि अगर कोई गलत करता है तो उसके परिणाम पता हैं। जिस रिपोर्ट का हवाला याचिकाकर्ता दे रहे हैं, उसमें ही शक शब्द का इस्तेमाल है। वे खुद ही आश्वस्त नहीं हैं। अगर किसी चीज में सुधार की गुंजाइश है तो इसमें निश्चित सुधार करेंगे। कोर्ट ने दो बार दखल दिया है। पहली बार हमने कहा कि वीवीपैट आवश्यक होनी चाहिए और दूसरी बात हमने इसे एक से बढ़ाकर 5 किया है। जब हमने कहा कि क्या सुधार हैं, जो किए जा सकते हैं तो पहला जो जवाब था, वो ये कि बैलट पेपर्स पर वापस लौट आएं।

मैं भी दावेदार हूं लेकिन उम्मीदवार पार्टी ही तय करेगी : बृजभूषण

बहराइच। महिला पहलवानों की शिकायतों के बाद विवादों में आए भाजपा सांसद बृजभूषण सिंह एक बार फिर चुनाव लड़ सकते हैं। उनका कहना है कि मैंने कैसरगंज से दावेदारी की है, बाकी अंतिम निर्णय पार्टी को लेना है। उन्होंने कहा कि पार्टी इस बात को लेकर आश्वस्त है कि कैसरगंज में एक दिन पहले जिस प्रत्याशी को उतारेंगे वह भारी बहुमत से जीतेगा। यह पूछे जाने पर क्या वह उम्मीदवार बृजभूषण शरण सिंह होंगे? उन्होंने कहा कि मैं भी दावेदार हूं लेकिन उम्मीदवार पार्टी ही तय करेगी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि हिन्दुस्तान वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। बेलसर के आजाद नगर बाजार में भाजपाइयों की बैठक के बाद कैसरगंज सांसद मीडिया से मुखातिब थे। एक सवाल के जवाब में बृजभूषण शरण सिंह कहा कि कैसरगंज से भाजपा उम्मीदवार पांच लाख से अधिक मतों से चुनाव जीतेगा। उन्होंने कहा कि जो भी प्रत्याशी होगा वह बड़ी दमदारी से चुनाव जीतकर जाएगा। कैसरगंज से भाजपा बहुत मजबूत है, टिकट में देरी की वजह हो पार्टी की कोई रणनीति सकती है। इससे पहले बृजभूषण श?रण सिंह ने मीडिया से बात करते हुए कहा था कि उनके टिकट में देरी के पीछे हो सकता है बीजेपी की कोई रणनीति हो। सवालों पर मुस्?कुराते हुए उन्होंने यह भी कहा कि मेरे टिकट की चिंता तो मेरी है, आप की नहीं है।

बठिंडा की झोपड़ पट्टी में आग लगने दो बहनों की मौत, कई अन्य घायल

बठिंडा। पंजाब के बठिंडा जिले के झोपड़ पट्टी क्षेत्र उड़िया बस्ती में मंगलवार को आग लगने से दो बहनों की मौत हो गई जबकि 20 अन्य घायल हुए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आग बुझाने वाले वाहनों को तत्काल मौके पर भेजा गया और तीन घंटे में आग पर काबू पा लिया गया। पुलिस ने बताया कि घटना में सात साल की मीरा और पांच साल की उसकी बहन राधा की मौत हो गई। उसने बताया कि आग खाना बनाने के दौरान एक झोपड़ी मेंलगी और तेज हवा चलने की वजह से लपटों ने अन्य झोपड़ियों को भी अपने चपेट में ले लिया। पुलिस ने बताया कि घायलों को अस्पताल ले जाया गया जहां दो लड़कियों को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। स्थानीय विधायक जगरूप सिंह गिल मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने प्रभावित परिवार की हर संभव मदद का वादा किया।

इलेक्टोरल बॉन्ड से जुड़े लेनदेन की एसआईटी करें जांच

-मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे प्रशांत भूषण

नई दिल्ली। इलेक्टोरल बॉन्ड के द्वारा राजनीतिक दलों, कॉरपोरेट और अधिकारियों के बीच कथित लेनदेन की विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच कराए। वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने इस मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की बेंच ने 15 फरवरी को इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम को गैर संवैधानिक बताकर स्टेट बैंक से कहा था कि वह लेनदार और देनदार की लिस्ट जारी करे। यह लिस्ट चुनाव आयोग की वेबसाइट के द्वारा पब्लिक डोमेन में आ चुकी है। एडवोकेट भूषण ने अब सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर गुहार लगाई गई है कि मामले में फर्जी कंपनी और घाटे में चल रही कंपनियों की तरफ से दिए गए चंदे के मामले में फंड के स्रोत का पता लगाना जरूरी है। इसके लिए एसआईटी गठित करे। याचिका में कहा गया है कि इन फर्जी और घाटे में चल रही कंपनियों की ओर से राजनीतिक दलों को चंदा दिया है। जिन कंपनियों ने फायदा पहुंचाने के बदले राजनीतिक पार्टियों को चंदा दिया है, वह चंदा राजनीतिक पार्टियों से वसूल किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने 15 फरवरी को एक एतिहासिक फैसले में राजनीतिक पार्टियों को दिए जाने वाले चंदे के लिए तय स्कीम इलेक्टोरल बॉन्ड को खारिज कर दिया था इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम को रद्द करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा था कि वह इलेक्टोरल बॉन्ड को कैश कराए जाने से संबंधित तमाम ब्योरे को सार्वजनिक करे। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई से नया बॉन्ड जारी किए जाने पर रोक लगा दी थी।

भारत छोड़ने की वजह पर ऑस्ट्रेलियाई पत्रकार अवनी ने बोला झूठ

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई पत्रकार अवनी दियाज ने दावा किया कि उन्हें भारत में चुनाव की कवरेज की इजाजत नहीं दी गई। साथ ही देश छोड़कर जाने के लिए भी मजबूर किया गया। ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेश (एबीसी) की साउथ एशिया ब्यूरो चीफ अवनी दियाज 20 अप्रैल को भारत से रवाना हो गई थीं। पत्रकार की ओर से कहा गया कि भारत सरकार ने वीजा अवधि नहीं बढ़ाई जिसकी वजह से भारत छोड़ना पड़ा और वह चुनावों की रिपोर्टिंग नहीं कर सकी। पत्रकार के दावे को भारत सरकार से जुड़े आधिकारिक सूत्रों ने गलत और भ्रामक बताया है। वहीं अवनी दियाज के बारे में एक नई जानकारी सामने आ रही है। अवनी के भारत छोड़ने का फैसला किसी राजनीतिक दबाव के चलते नहीं बल्कि एक नई नौकरी और शादी की वजह से प्रभावित है। अवनी को जनवरी 2022 में नई दिल्ली के दक्षिण एशिया ब्यूरो में शामिल होने के बाद से विदेशी पत्रकारों के लिए जे1 वीजा था। उनकी रिपोर्टिंग पर सवाल उठने और गलत खबरें फैलाने के बाद भी, 2023 में भारत सरकार ने उन्हें पहली बार वीजा बढ़ाकर दिया था। अवानी ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि उन्हें अचानक भारत छोड़ना पड़ा। उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार ने उन्हें बताया है कि उनका वीजा अब आगे लिए नहीं बढ़ाया जाएगा। हालांकि दिल्ली में स्थित भारतीय अधिकारी ने इसका पूरी तरह से खंडन किया है। अधिकारी ने कहा कि विदेश मंत्रालय के किसी भी अधिकारी ने अवनी को फोन करके यह नहीं कहा था बताया था कि उसने हद पार कर ली है। हम बिना किसी अपवाद के वीजा आवेदकों को फोन नहीं करते हैं। अवनी के भारत छोड़ने के बारे में कई मीडिया आउटलेट्स के साथ साक्षात्कार शेड्यूल करने में तीन दिन लग गए और यहां तक कि उसने अपने समर्थन में एक बयान जारी करने के लिए भारत में विदेशी संवाददाताओं की पैरवी भी की।

ममता का आरोप....मेरे भतीजे अभिषेक को मारने की कोशिश की गई

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दावा किया कि भाजपा ने उनके भतीजे और तृणमूल कांग्रेस के दूसरे नंबर के नेता अभिषेक बनर्जी को मारने की कोशिश की। सीएम बनर्जी ने चुनाव प्रचार को संबोधित करते हुए दावा किया। सीएम बनर्जी ने कहा तुमने अभिषेक को मारने की कोशिश की, लेकिन हमें पहले ही पता चल गया। उसके घर की रेकी भी की, अभिषेक को फेसटाइम पर बुलाकर मिलने का समय मांगा। सीएम ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग (ईसीआई) पर भाजपा की मदद करने का आरोप लगाया है।

पप्पू यादव का बड़ा वार, बोले- मुझे रोकने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे तेजस्वी, उनमें लालू के जैसा धैर्य नहीं

पटना (एजेंसी)। बिहार के पूर्णिया में सियासी संघर्ष से जबरदस्त तरीके से जारी है। एक ओर पूर्णिया सीट लालू यादव के लिए नाक का सवाल बन गया है। तो दूसरी और पप्पू यादव जबरदस्त तरीके से इस सीट पर अपनी ताकत लगा रहे हैं। हालांकि, यह सीट लगातार एनडीए के कब्जे में रहा है। लेकिन इस बार मुकाबला त्रिकोणीय नजर आ रहा है। पप्पू यादव ने निर्दलीय चुनाव लड़कर इस सीट को लेकर लोगों की दिलचस्पी और भी बढ़ा दी है। इसकी वजह से वह राजत और तेजस्वी यादव के निशाने पर आ गए हैं। तेजस्वी यादव ने तो यहां तक कह दिया कि लोगों के सामने दो ही विकल्प है या तो एनडीए या फिर इंडिया गठबंधन, तीसरे की ओर जाने की जरूरत नहीं है। तेजस्वी के तीसरे का मतलब पप्पू यादव से निकाला गया। अब इसी को लेकर पप्पू यादव तेजस्वी पर पलटवार कर रहे हैं।

पप्पू यादव ने साफ तौर पर कहा है कि तेजस्वी यादव मुझे रोकने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। वह कितनी भी सफाई दे। लेकिन इतनी नफरत मुझे लेकर क्यों है? पता नहीं। राजद के कई नेता पूर्णिया में लगातार कैंप किए हुए हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि राजद के नेताओं को सारण और पाटलिपुत्र जैसे जगह पर अपनी ताकत लगानी चाहिए जहां लालू परिवार के लोग लड़ रहे हैं। पूर्णिया में राजद क्यों कैंप कर रही है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि हमें जनता के दिल में जगह बनानी है। हमको विकास का काम करना है। जात-पात नहीं चलेगा। तेजस्वी पूर्णिया में राजद उम्मीदवार बीमा भारती के लिए जोर-शोर से प्रचार कर रहे हैं।

पप्पू यादव ने कहा, ''वह इतने अधीर क्यों हो जाते हैं? ऐसा प्रतीत होता है कि उन्हें अपने पिता से धैर्य विरासत में नहीं मिला है।'' उन्होंने कहा, ''मैं परेशान नहीं हूं। मैं एक पुरानी नीति कथा से प्रेरणा लेता हूं, जिसमें एक ऋषि बिच्छू के डंक से अप्रभावित रहे थे।'' पप्पू यादव ने इस सवाल को नजरअंदाज कर दिया कि क्या उन्हें लगता है कि तेजस्वी यादव ने भारती की हार को स्वीकार कर लिया है, जो हाल ही में जदयू छोड़कर राजद में शामिल हुई थीं। हालांकि, वह उनपर भाजपा की 'बी टीम' होने के संबंध में बार-बार लगने वाले आरोपों पर भड़क गए। पप्पू यादव ने व्यंग्यात्मक रूप से कहा,'' मैं आम आदमी हूं और राजा या राजकुमार पर टिप्पणी नहीं कर सकता।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन यह बी टीम की बात क्या है? क्या वह उन सभी वरिष्ठ राजद नेताओं पर भी यही लेबल लगाएंगे, जिन्होंने हाल ही में पार्टी छोड़ दी है?'' उन्होंने कहा कि वह 'इंडिया' गठबंधन की ओर से चुनाव लड़ रहे हैं।

पप्पू यादव ने कहा, ''26 अप्रैल को मतदान के दिन पूर्णिया की जनता इतिहास रचेगी। इसके बाद मैं अमेठी और रायबरेली सहित अनेक जगहों पर 'इंडिया' गठबंधन के लिए चुनाव प्रचार करूंगा।'' पप्पू यादव ने कहा कि उन्होंने राजद के टिकट पर दो बार मधेपुरा सीट पर जीत दर्ज की। उन्होंने सवाल किया, '' क्या मैं उस समय भी भाजपा की बी टीम था?क्या कन्हैया कुमार भी भाजपा की बी टीम हैं? '' जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया कुमार को राजद के उत्तराधिकारी तेजस्वी यादव के संभावित प्रतिद्वंद्वी के तौर पर देखा जाता है और यही वजह है कि पार्टी ने 2019 में बेगूसराय सीट पर उनके खिलाफ उम्मीदवार खड़ा किया था। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में कन्हैया ने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ा था।

सैम पित्रोदा के बयान को लेकर गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर पाटील का कांग्रेस पर प्रहार

अहमदाबाद। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण से पहले इंडियन ऑवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा के एक बयान ने कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। हांलाकि कांग्रेस सैम पित्रोदा के बयान को उनकी निजी राय बताकर पल्ला झाड लिया है। लेकिन भाजपा ने इसे चुनावी मुद्दा बनाकर कांग्रेस को घेरने की कोशिशें तेज कर दी हैं। सैम पित्रोदा के बयान को लेकर भाजपा कांग्रेस पर कड़े प्रहार कर रही है और आरोप लगा रही है कि वह जनता की 50 फीसदी संपत्ति छीन लेगी7 गुजरात प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सीआर पाटील ने सैम पित्रोदा के बयान को लेकर कांग्रेस को आडे हाथ लिया है। सीआर पाटील ने ट्वीट कर कहा 'सैम पित्रोदा के बयान से कांग्रेस की मंशा साफ हो गई है7 कांग्रेस लोगों की निजी संपत्ति सरकारी तिजोरी में रखकर अल्पसंख्यकों में बांटना चाहती है। कांग्रेस भारत का नाश करने का निर्णय किया है।' अपने ट्वीट में सीआर पाटील ने आगे लिखा 'कांग्रेस सत्ता में आने के बाद लोगों की संपत्ति का सर्वे करेगी और यूपीए शासन के दौरान के निर्णय के मुताबिक लोगों की संपत्ति बांट देगी। देश के लोगों जो संपत्ति अपने परिश्रम से एकत्र की है उसे कांग्रेस छीन लेना चाहती है।' गौरतलब है कि सैम पित्रोदा के विरासत कर (टैक्स) को लेकर दिए गए बयान ने भारत की राजनीति में हलचल मचा दी है। सैम पित्रोदा के मुताबिक अमेरिका में विरासत कर लगता है। अगर किसी के पास 100 मिलियन डॉलर की संपत्ति है तो जब वह मर जाता है तो वह केवल 45 प्रतिशत संपत्ति अपने बच्चों को दे सकता है। जबकि 55 प्रतिशत संपत्ति सरकार द्वारा हड़प ली जाती है। यह एक दिलचस्प कानून है जो कहता है कि आपने अपनी पीढ़ी में संपत्ति बनाई और अब आप जा रहे हैं तो आपको अपनी आधी संपत्ति जनता के लिए छोड़नी चाहिए। सैम पित्रोदा ने कहा कि अमेरिका यह जो निष्पक्ष कानून है वह मुझे अच्छा लगता है।

कांग्रेस शासित राज्यों में बेटियों से दरिंदगी पर चुप क्यों है कांग्रेस हाईकमान: अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने हैदराबाद में पार्टी प्रत्याशी श्रीमती माधवी लता जी के विशाल रोड शो में हिस्सा लिया व पार्टी कार्यालय पर प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित किया। अनुराग ठाकुर ने कहा कि आज कांग्रेस की बुरी नज़र जनता की संपत्ति पर पड़ चुकी है। संपत्ति, संतान, सीमा और सनातन को कांग्रेस से सीधा ख़तरा है। ये लोग आपकी मृत्यु के बाद भी अपना वसूली टैक्स जारी रखना चाहते हैं। कांग्रेस आपकी मृत्यु के बाद आपकी संपत्ति आपके बच्चों को नहीं बल्कि माइनॉरिटी के नाम पर घुसपैठियों को देना चाहती है क्योंकि वह उसके वोट बैंक हैं। स्पष्ट हो चुका है की कांग्रेस सनातन के बाद अब संतान विरोधी भी हो चुकी है। अनुराग ठाकुर ने श्रीमती माधवी लता जी के साथ चारमीनार स्थित भाग्यलक्ष्मी मंदिर के पूजा अर्चना भी की।

अनुराग ठाकुर ने उक्त बातें राहुल और राजीव गांधी जी के मेंटर और ओवरसीज कांग्रेस अध्यक्ष सैम पित्रोदा के बयान के बाद कहीं जिसमें उन्होंने कहा है की भारतीयों की मृत्यु के बाद उनकी 55त्न संपत्ति सरकार को ले लेनी चाहिए। अनुराग ठाकुर ने कहा कि आज कांग्रेस का सम्पत्ति, सीमा सनातन और संतान विरोधी चेहरा सामने आ चुका है। साफ हो गया है कि यह जो फाइनेंशियल और इकोनॉमिक सेंसस करने की बात करते हैं उसका हिडन एजेंडा यही है की आपकी मृत्यु के बाद आपकी कमाई आपके बच्चों के बजाय घुसपैठियों को दे दी जाए। देश को सोचना होगा कि क्या उनकी संपत्ति, उनके बच्चों की सुरक्षा, हमारी सरहदें और देश का भविष्य कांग्रेस के हाथों में सुरक्षित है?

अनुराग ठाकुर ने आगे कहा, ÷राहुल गांधी और ओवैसी औरंगजेब की यूनिवर्सिटी से पढ़े हैं और उसी की भाषा बोलते हैं। राहुल गांधी ने ओवैसी के खिलाफ कैंडिडेट क्यों नहीं दिया? क्या ओवैसी राहुल गांधी की क्रटीम हैं या राहुल गांधी ओवैसी की क्रटीम हैं? इसीलिए जो काटने और टुकड़े करने की बात करते हैं उनकी पतंग ऐसी काटो कि वह फिर काटने और कटने की बात करने लायक ना रह जाएं। इनके फर्जी वोटो का जिन बोतल में हमेशा हमेशा के लिए बंद कर दीजिए। अनुराग ठाकुर ने कहा कि जहां एक ओर भारत तीरंदाजी में मेडल जीत रहा है तो वहीं दूसरी ओर हमारी बहन माधवी लता जी भी अपने तीर द्वारा अभेद्य किले को भेदने जा रही हैं। जबसे माधवी लता आई हैं ओवैसी लापता हैं। 40 वर्षों तक यहां राज कर गरीबों का हक मारने वालों की पतंग काटना जरूरी है।'

अनुराग ठाकुर ने आगे कहा कि आज राहुल गांधी जी और उनके सहयोगियों के मोहब्बत की दुकान में नफरत का सामान बिक रहा है। आज कांग्रेस शासित राज्यों में हमारी हिंदू बहन बेटियों को दरिंदे बेरहमी से मार डालते हैं तब राहुल गांधी, इनके लोग और इनका न्याय कहां चला जाता है? आज एक कांग्रेस काउंसलर लव जिहाद का शिकार हुई अपनी बेटी नेहा के लिए कांग्रेस की सरकार में सीबीआई जांच की मांग कर रहा है लेकिन उसके साथ अन्याय हो रहा है। राहुल गांधी पूरे विश्व में जाकर न्याय का ढोंग रच रहे हैं पर अपने ही लोगों को न्याय नहीं दे रहे हैं क्योंकि उनके लिए वोट बैंक पॉलिटिक्स जरूरी है।असल बात तो यह है कि 60 वर्षों के अपने शासन में इन्होंने सिर्फ और सिर्फ नफरत फैलाई है। कभी जाति के नाम पर, कभी धर्म के नाम पर, कभी क्षेत्र के नाम पर तो कभी भाषा के नाम पर। इनके लोग देश के टुकड़े-टुकड़े करने की सोच रखते हैं। कोई नारा लगाता है तो कोई नॉर्थ और साउथ को अलग करने की बात करता है। राहुल गांधी जी बताएं कि वह देश को कितने टुकड़ों में बांटना चाहते हैं और किस टुकड़े पर राज करना चाहते हैं।'

सीएम केजरीवाल को दी जा रही सुबह-शाम इंसुलिन, अब दिन में 5 बार होगी जांच

नईदिल्ली (एजेंसी)। मधुमेह की समस्या से जूझ रहे मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एम्स के चिकित्सकों के परामर्श पर दिन में दो बार इंसुलिन की लो डोज (दो यूनिट) दिया जा रहा है। दोनों बार यह डोज खाने (लंच व डिनर) से पहले (प्री मिल) दिया जा रहा है। इस बीच दिन में करीब पांच बार उनका ब्लड शुगर जांचा जाएगा, ताकि यह पता चल सके कि इंसुलिन का कितना असर हो रहा है। करीब पांच दिनों तक किए गए जांच के नतीजों के आधार पर चिकित्सक यह तय करेंगे कि इंसुलिन देने का सिलसिला जारी रखा जाए या फिर इसे बंद कर दिया जाए। यदि जारी रखा जाए तो मात्रा कितनी होगी। चिकित्सकों ने उन्हें अपने खानपान पर ध्यान देने की सलाह दी। इससे पहले भी मुख्यमंत्री एक बार एम्स के चिकित्सकों के साथ स्वास्थ्य विशेषकर मधुमेह नियंत्रण को लेकर चर्चा कर चुके हैं। मुख्यमंत्री को जेल में जरुरत के बाद भी इंसुलिन नहीं दिए जाने को लेकर आप कार्यकर्ताओं ने रविवार को जेल के बाहर प्रदर्शन किया था। प्रदर्शन में शामिल दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी ने जेल प्रशासन पर आरोप लगाया था कि तिहाड़ जेल प्रशासन मुख्यमंत्री को इंसुलिन नहीं दे रहा है, जबकि उनका शुगर लेवल लगातार बढ़ रहा है। शुगर लेवल बिना इंसुलिन के नियंत्रण में नहीं आ सकता है। उन्होंने इस पूरे प्रकरण पर जेल प्रशासन, एलजी व भाजपा को आड़े हाथों लेते हुए साजिश रचने का आरोप लगाया था। प्रदर्शन के दौरान आप कार्यकर्ता अपने हाथों में इंसुलिन लेकर पहुंचे और जेलकर्मियों से कहा कि यह इंसुलिन मुख्यमंत्री के लिए वे लेकर आए हैं, लेकिन जेलकर्मियों ने इसे लेने से इंकार कर दिया। आप कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन व तमाम तरह के आरोपों पर जेल अधिकारी बताते हैं कि जेल में डायबिटीज के करीब एक हजार मरीज हैं।इनमें से किसी भी मरीज ने इस तरह की कोई शिकायत नहीं की है। चिकित्सीय परामर्श के आधार पर हर मरीज के लिए समुचित स्वास्थ्य का इंतजाम होता है। जेल का अपना स्वास्थ्य तंत्र है, जिन कैदियों को किसी अन्य अस्पताल में भेजने की जरूरत समझी जाती है।

वरुण गांधी का पीलीभीत से टिकट काटा, अब रायबरेली से लड़ाना चाहती है भाजपा ?

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की पीलीभीत से सिटिंग सांसद वरुण गांधी का भाजपा ने एक झटके में टिकट काट दिया। पार्टी का यह निर्णय संभवता पीलीभीत के लोगों को भी पसंद नहीं आया। फिर वरुण गांधी को कैसे रास आएगा। यही कारण है कि वरुण ने अपना दर्द बयां करते हुए क्षेत्र की जनता को भावुक चिट्ठी लिखी थी। इसमें उन्होंने लिखा था कि वह राजनीति में आम आदमी की आवाज उठाते रहेंगे चाहे इसकी कोई भी कीमत उठानी पड़े। वरुण ने लिखा था- मैं खुद को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे सालों तक पीलीभीत की महान जना की सेवा करने का मौका मिला। महज एक सांसद के तौर पर न हीं बल्कि एक व?यक्ति के तौर पर भी मेरी परवरिश और मेरे विकास में पीलीभीत से मिले आदर्श और सरलता का बहुत बड़ा योगदान है। आपका प्रतिनिधि होना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है और मैंने हमेशा पूरी क्षमता के साथ आपके हित की आवाज उठाई है। अब खबर आ रही है कि वरुण को रायबरेली से भाजपा मैदान में उतार सकती है। चर्चा है कि रायबरेली लोकसभा सीट पर बीजेपी ने सर्वे करवाया था जिसमें प्रत?याशी के रूप में वरुण गांधी का नाम सबसे आगे उभर कर आया। यही वजह है कि बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व ने रायबरेली से वरुण गांधी को उतारने के लिए तैयार करने के प्रयास तेज कर दिए हैं। रायबरेली सीट कांग्रेस का गढ़ है। 2019 में सिर्फ यही एक सीट कांग्रेस के खाते में आई थी। सोनिया गांधी यहां से लगातार सांसद चुनी जाती रही हैं। इस बार सोनिया राजस्थान के कोटे से राज्यसभा चली गई हैं। बता दें कि लोकसभा चुनाव 2024 के लिए सिर्फ रायबरेली और कैसरगंज ही दो ऐसी सीटें हैं जहां बीजेपी अभी तक प्रत्याशी नहीं उतार पाई है। सूत्रों का दावा है कि बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व ने वरुण गांधी से रायबरेली में चुनाव लड़ने की बात की है। वरुण का इससे पहले पीलीभीत सीट से टिकट काट दिया गया था। चर्चा है कि कांग्रेस इस बार रायबरेली से प्रियंका गांधी को उतारने की तैयारी कर रही है। ऐसे में वरुण ने अपनी चचेरी बहन के खिलाफ लड़ने के बारे में फैसला लेने के लिए समय मांगा है।

राहुल के संसदीय क्षेत्र में प्रचार करने पहुंची प्रियंका, बोली भाजपा जनता की समस्याओं पर बात नहीं करती

वायनाड (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के बाद 26 अप्रैल को दूसरे चरण पर मतदान होने वाला है। इस बीच कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी आज केरल के वायनाड में एक रैली को संबोधित की। बता दें कि वायनाड राहुल गांधी का संसदीय क्षेत्र है। अपनी रैली में प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान पर प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस नेता ने कहा कि पीएम मोदी और अन्य भाजपा नेताओं के बयान से यह स्पष्ट है कि वह जनता की समस्याओं के बारे में बात नहीं करते हैं।

रैली को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी ने पीएम मोदी और भाजपा पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि अगर आप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य भाजपा नेताओं के बयानों पर नजर डालेंगे तो आपको मालूम चलेगा कि उन्होंने आपकी समस्याओं पर कोई बात नहीं की। उन्होंने विकास पर कोई बात नहीं की। वे वास्तविक मुद्दों पर कभी बात नहीं करते। कांग्रेस नेता ने कहा कि हर दिन वे एक नया मुद्दा लेकर आते हैं, जिसका आपके जीवन से कोई संबंध नहीं है। इन मुद्दों का आपके विकास से भी कोई संबंध नहीं है। बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी से भी इन मुद्दों का कोई संबंध नहीं होता है। वे मीडिया को भी उन मुद्दों पर बात करने के लिए मजबूर कर देते हैं।

वायनाड में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने बताया कि कांग्रेस शुरू से लेकर आज तक विजन की बात कर रही है। उन्होंने कहा कि आप मेरा भाषण भी सुन सकते हैं। जब आप उनके भाषण सुनेंगे तो पता चलेगा कि उनके पास क्या है? कौन-सा विजन? आप विजन 2047 कहते हैं लेकिन वह विजन क्या है? पिछले 10 वर्षों में आपने इस विजन को आगे बढ़ाने के लिए क्या किया? आम आदमी के लिए आपके पास क्या विजन है? आप रोजगार देने के लिए क्या कर रहे हैं?

भाजपा पर निशाना साधते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि उनके व्यवहार से ऐसा लगता है कि चुनाव उनके पक्ष में नहीं जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा बौखलाई हुई है। अगर 10 सालों में इन्होंने जनता के लिए कुछ किया होता, तो मंच पर आकर यह चर्चा नहीं होती जो आजकल हो रही है। रोज नया मुद्दा उठा रहे हैं, जिससे जनता का कोई ताल्लुक नहीं है। कांग्रेस नेता ने भाजपा पर जनता को गुमराह करने और डराने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि पहले चरण के मतदान के बाद भाजपा को समझ आ रहा है कि रूझान इनके पक्ष में नहीं जा रहा है

हम चुनावों को नियंत्रित नहीं कर सकते... सुप्रीम कोर्ट ने वीवीपैट पर फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के बीच सुप्रीम कोर्ट ने वीवीपैट को लेकर बुधवार को हुई सुनवाई के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि हम संदेह के आधार पर आदेश जारी नहीं कर सकते हैं। सुनवाई ने दौरान जज ने कहा कि अदालत चुनाव की नियंत्रण अथॉरिटी नहीं है। बता दें कि अदालत ने ईवीएम के मुद्दे पर दो दखल दिया है। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि हमारे कुछ सवाल थे। जिनके जवाब आयोग के द्वारा दे दिए गए हैं। अभी हम फैसला सुरक्षित रख रहे है। सुप्रीम कोर्ट ने वीवीपैट को लेकर कहा कि अभी तक गड़बड़ी की एक भी रिपोर्ट सामने नहीं आई है। हम साथ में ये भी देख रहे हैं कि क्या ज्यादा वीवीपैट के मिलान का आदेश दिया जा सकता है।

सुनवाई के दौरान जस्टिस दीपांकर दत्ता ने प्रशांत भूषण से कहा कि क्या हम संदेह के आधार पर कोई आदेश जारी कर सकते हैं? जिस रिपोर्ट पर आप भरोसा कर रहे हैं, उसमें कहा गया है कि अभी तक हैकिंग की कोई घटना नहीं हुई है। हम किसी दूसरे संवैधानिक अथॉरिटी को नियंत्रित नहीं करते है। हम चुनावों को नियंत्रित नहीं कर सकते। सुप्रीम कोर्ट के फैसले में वीवीपैट की बात कही गई थी और उसका पालन किया गया लेकिन इसमें कहां कहा गया है कि सभी पर्चियों का मिलान करें। इसमें 5 प्रतिशत लिखा है, अब देखते हैं कि क्या इन 5 प्रतिशत के अलावा कोई उम्मीदवार कहता है कि दुरुपयोग के मामले आए हैं। सुनवाई के दौरान जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा कि इसलिए हमने चुनाव आयोग से भी यही सवाल पूछा था। आयोग का कहना है कि फ्लैश मैमोरी में कोई दूसरा प्रोग्राम फीड नहीं किया जा सकता। उनका कहना है कि वे फ़्लैश मेमोरी में कोई प्रोगाम अपलोड नहीं करते, बल्कि चुनाव चिन्ह अपलोड करते है, जो कि इमेज की शक्ल में होता है। हमे तकनीकी चीजों पर आयोग पर यकीन करना ही होगा। इसपर प्रशांत भूषण ने दलील दी देकर कहा कि वे चुनाव चिन्ह के साथ साथ कोई गलत प्रोगाम, तब अपलोड कर सकते हैं। मेरा अंदेशा उस बात को लेकर है। फिर कोर्ट ने कहा कि हम आपकी दलील को समझ गए। हम अपने फैसले में इसका ध्यान रखने वाले है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुरत पुलिस ने एक महीने में ३ हजार से अधिक मॉडिफाइड और लक्जरी बाइक जब्त कीं,

साइलेंसर हटा कर जुर्माना भी लगाया गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरत, सुरत के युवाओं में बाइक मॉडिफिकेशन का क्रेज तेजी चल रहा है. पिछले कुछ समय से सुरत में स्पोर्ट बाइक के मॉडिफिकेशन क्रेज के चलते पुलिस ने पिछले एक महीने से मॉडिफाइड साइलेंसर वाले वाहनों को जब्त कर कानूनी कार्रवाई करना शुरूकर दिया है. सुरत के सभी जोन के अधिकारियों ने मॉडिफाइड बाइक और मॉडिफाइड साइलेंसर वाले वाहनों को हिरासत में लिया है और कानूनी कार्रवाई की गई है. जिसमें जोन चार द्वारा पिछले एक महीने में ३ हजार से मॉडिफाइड और मॉडिफाइड साइलेंसर वाली लग्जरी बाइक जब्त की गई हैं. इनसे १७ लाख से अधिक का जुर्माना भी वसूला गया है.

सुरत में पिछले एक महीने से मॉडिफाइड बाइक और मॉडिफाइड साइलेंसर वाली बाइकों के लिए अभियान चलाया जा रहा है. सूरत के उमरा, अठवा, वेसु, खटोदरा, अलथान और पांडेसरा में मॉडिफाइड साइलेंसर वाले मोटर चालकों को हिरासत में लिया गया है और कानूनी कार्रवाई की गई है. जानकारी के मुताबिक, जोन चार के डीसीपी विजय गुज्जर की ओर से पिछले एक महीने में ३ हज़ार से अधिक बाइक सवारों के खिलाफ कार्रवाई की गई है. उनसे १७ लाख से अधिक का जुर्माना भी वसूला गया है. डीसीपी विजयसिंह गुर्जर ने बताया कि यह अभियान आने वाले दिनों में भी जारी रहेगा, क्योंकि बाइक को मॉडिफाई किया जाता है और खासकर साइलेंसर को मॉडिफाई किया जाता है. इससे १२५ डेसिबल की ध्वनि उत्पन्न होती है. जिससे काफी ध्वनि प्रदूषण होता है.

वीआईपी रोड स्थित श्री श्याम मंदिर, सूरतधाम में हनुमान जन्मोत्सव पर हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरत, वीआईपी रोड स्थित श्री श्याम मंदिर, सूरतधाम में मंगलवार को श्री हनुमान जन्मोत्सव का आयोजन किया गया. इस मौक़े पर सालासर बालाजी का आलौकिक शृंगार किया गया साथ ही शाम चार बजे से मंदिर प्रागंण में संगीतमय सुंदरकाण्ड पाठ का आयोजन किया गया एवं शाम छ बजे से विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया. भजन संध्या में स्थानीय गायक कलाकार राकेश अग्रवाल एवं राजू गाड़ोदिया ने भजनों एवं धमाल की प्रस्तुति दी. इस मौक़े पर भक्तों को प्रसाद का वितरण भी किया गया.

घर में गैस सिलेंडर लेकर आत्महत्या करने की कोशिश कर रही महिला को फायर की टीम और पुलिस ने बचाया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरत, सुरत के अमरोली इलाके में संस्कार रेसिडेंस में रहने वाली एक महिला ने घर में गैस सिलेंडर लेकर आत्महत्या करने की कोशिश कर रही थी, इसकी सूचना स्थानीय लोगों ने फायर ब्रिगेड और स्थानीय पुलिस को दी. जिसके बाद फायर ब्रिगेड और पुलिस मौके पर पहुंची. इसके बाद महिला को समझा-बुझाकर दरवाजा खुलवा कर बचा लिया गया. साथ ही घर में मौजूद परिवार के तीन अन्य सदस्यों को भी बचा लिया गया.

मिली जानकारी के अनुसार, अमरोली इलाके में एक आवास की तीसरी मंजिल पर ४५ वर्षीय महिला अपनी बेटी सहित परिवार के साथ रहती है. इसी बीच महिला गैस सिलेंडर लेकर आत्महत्या करने की कोशिश करने जा रही थी. जिस वजह से परिवार डर गया था. पूरे मामले की जानकारी अमरोली पुलिस और फायर कंट्रोल को दी गई थी. इसलिए दोनों टीमें तुरंत मौके पर पहुचीं और बचा लिया गया.

फायर सब ऑफिसर हरेश भागवाकर ने बताया कि फ्लैट का दरवाजा बाहर से बंद था. बिल्डिंग में रहने वाले पड़ोसी भी इकट्ठा हो गए थे. वे भी दरवाजा खोलने की कोशिश कर रहे थे. लेकिन महिला ने दरवाजा नही खुला बाद में फायर और पुलिस दोनों टीमों ने महिला को खूब समझाया. आख़िरकार, उसने दरवाज़ा खोला और बाद में महिला को आत्महत्या करने से बचा लिया गया. साथ ही घर में मौजूद परिवार के तीन अन्य सदस्यों को भी बचा लिया गया. फायर टीम ने तुरंत गैस की बोतल को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया. इसके बाद अमरोली पुलिस की ओर से महिला से पूछताछ की गई. महिला ने बताया कि उसका पति कहीं चला गया है. उन्होंने बताया कि जिससे आवेश में आकर यह कदम उठाने का फैसला किया. हालांकि पुलिस और दमकल विभाग ने महिला को बचा लिया.

सुरत के वराछा पुलिस में नीलेश कुंभानी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने पहुंचे पूर्व पार्षद

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरत, सुरत में कांग्रेस उम्मीदवार नीलेश कुंभानी का फॉर्म रद्द कर दिया गया और अन्य उम्मीदवारों ने अपना फॉर्म वापस ले लिया,जिससे भाजपा उम्मीदवार को निर्विरोध विजेता घोषित किया गया. इसके बाद से नीलेश कुंभानी भूमिगत हो गए हैं. अब यह भी चर्चा है कि वह बीजेपी में शामिल होंगे. इस बीच, नीलेश कुंभानी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करने की मांग की जा रही है. फॉर्म रद्द होने के बाद से संपर्क से बाहर चल रहे नीलेश कुंभानी के खिलाफ कांग्रेस और आम आदमी पार्टी गुस्से में है. कांग्रेस ने उनके घर जाकर विरोध प्रदर्शन किया. तो वहीं आम आमदी पार्टी भी नीलेश कुंभानी पर विश्वासघात का आरोप लगा रही है. आम आदमी पार्टी नेता दिनेश काछड़िया ने वराछा पुलिस स्टेशन में नीलेश कुंभानी के खिलाफ पुलिस शिकायत दर्ज करने की मांग की.

आप नेता दिनेश काछड़िया ने कहा, 'मैं सुरत शहर के वराछा इलाके में रहता हूं. मैं सुरत लोकसभा क्षेत्र का मतदाता हूं. मेरा वोट देने का अधिकार कांग्रेस प्रत्याशी नीलेश कुंभारी ने छीन लिया है.' इसी के चलते मैं थाने पहुंचा और उसके खिलाफ शिकायत दर्ज करने की अपील की.' यदि थाने में शिकायत नहीं ली गई तो कोर्ट में शिकायत करूंगा. यदि जो घटना बनी है वो सत्यापित नहीं हुई तो जिला कलेक्टर के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई जा सकती है. साजिश के तहत नीलेश कुंभानी ने पूरे मामले को अंजाम दिया है. उन्होंने न सिर्फ रुपये लिए हैं, बल्कि सुरत नगर निगम चुनाव में उन्हें दो सीटों पर टिकट देने की बात भी कही गई है.

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय के ललित कला विभाग में विदाई समारोह का आयोजन किया गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरत, वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय के ललित कला विभाग में ता. २३/०४/२४ को वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. किशोर सिंह एन. चावड़ा के मार्गदर्शन में विदाई समारोह का आयोजन किया गया. जिसमें तीनों विभागों (एप्लाइड, पेंटिंग, स्कल्पचर) के सभी विद्यार्थी एवं विभाग के सभी शिक्षक उपस्थित रहे. तीनों विभागों (एप्लाइड, पेंटिंग, मूर्तिकला) के कुल २० छात्रों को विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया गया. पुरस्कार समारोह के बाद छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जिसमें छात्र-छात्राओं ने संगीत एवं नृत्य की बहुत ही मनमोहक रचनाएँ प्रस्तुत कर उपस्थित सभी का ध्यान केन्द्रित किया. विभाग के विद्यार्थियों ने विभाग के विभिन्न शैक्षणिक एवं कार्य अनुभवों को प्रस्तुत किया. उन्होंने सभी छात्रों को उनके भविष्य के करियर के लिए शुभकामनाएं दीं.

एलसीबी ने मुंबई से टाम्पा आ रही विदेशी शराब को भरूच पहुंचने से पहले पलसाणा के मखिंगा चेक पोस्ट पर जब्त कर लिया।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत जिला एलसीबी टीम ने मखिंगा गांव में सिलेंडर की आड़ में ले जाई जा रही विदेशी शराब की कुल कीमत १३.५७ लाख जब्त कर कानूनी कार्रवाई की.

सूरत जिला एलसीबी टीम के जवान गश्त पर थे। उस दौरान कुछ सूचनाएं निजी तौर पर प्राप्त हुई थीं. टाटा टेंपो में एक ड्राइवर और क्लीनर सिलेंडर और सामान की आड़ में भारी मात्रा में विदेशी शराब लेकर महाराष्ट्र से पलसाना के रास्ते भरूच जा रहे थे. विशेष सूचना के आधार पर पुलिस ने मुंबई-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग ४८ पर माखीगा गांव चेक पोस्ट के पास निगरानी लगा रखी थी और जैसे ही सूचना मिली, पुलिस ने टेंपो को रोका और टेंपो की जांच करते समय एक मात्रा सिलेंडर के ढक्कन के नीचे से विदेशी शराब बरामद किया गया.

पुलिस ने कुल १३.५७ लाख की विदेशी शराब जब्त की, टेम्पो, नकदी, सिलेंडर सूरत जिला एलसीबी द्वारा जब्त किए गए और टेम्पो चालक राम आशीष और क्लीनर अनुज सिंह राजपूत द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए कुल १३.५७ लाख की विदेशी शराब जब्त की गई। ईको कार में विदेशी शराब की मात्रा भरने वाले संदीप यादव, जनार मुस्ताक और विदेशी शराब की मात्रा मंगाने वाले मुकेश लंगड़ा को वांछित घोषित कर कानूनी कार्रवाई की गई।

सूरत के पांडेसरा में बाइक चालक ने युवक को टक्कर मारी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पांडेसरा इलाके में एक युवक को बाइक चालक ने टक्कर मारकर उड़ा दिया. घटना स्थल पर पहुंचे लोगों ने युवक को सिविल अस्पताल पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. यहां बता दें कि यह युवक परिवार में कमाने वालों में से एक था. ऐसे में परिवार ने आर्थिक सहारा खो दिया है, जबकि दो बेटों ने अपने पिता की छत्रछाया खो दी है। रोजगार की तलाश में आए थे सूरत जानकारी के मुताबिक, ४० साल के विजयपथ चौधरी मूल रूप से यूपी और सूरत के पांडेसरा इलाके में मातृभूमि सोसायटी में रहते थे। परिवार में माता-पिता, पत्नी और दो बेटे हैं। विजय स्कूल के साथ सूरत में रहता था और एक निर्माण स्थल पर पर्यवेक्षक के रूप में काम करके परिवार का समर्थन करता था। दो साल पहले वह रोजगार की तलाश में अपने गृहनगर से सूरत आया था।

कल शाम को निर्माण स्थल से घर लौटते समय चालक फरार हो गया ।